Vastu Guruji
Change The Way You Live
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 234 पृष्ठ : 8 मूल्य: 1:00 रायपुर, शनिवार 12 सितंबर, 2026 www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को मिला ए ग्रेड

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने सौजन्य भेंट की। कुलपति डॉ. चंदेल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा अधिमान्यता बोर्ड द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों एवं शिक्षण कार्यक्रमों को भी अधिमान्यता प्रदान की गई है।

जोखिमपूर्ण भवनों की जांच में होगी लापरवाही, तो तय होगी जवाबदेही : सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर। विद्यार्थियों और नागरिकों के जीवन की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन की जिम्मेदारी केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संभावित खतरों की पहले से पहचान कर उन्हें दूर करना भी हमारी जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी जिलों में हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल तथा बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण एवं सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां भी सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आएं, वहां समय-सीमा निर्धारित कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे अपने-अपने जिलों में स्वयं इसकी नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि शासन के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर दिखाई दे।

मुख्यमंत्री साय ने स्कूलों, पुस्तकालयों, छात्रावासों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्थित पुराने एवं जर्जर भवनों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे भवन, जिनकी स्थिति जोखिमपूर्ण है अथवा जिनसे किसी प्रकार की जनहानि की आशंका हो सकती है, उनकी पहचान कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान हो और दुर्घटना की आशंका को पहले ही समाप्त कर दिया जाए। विशेष रूप से बच्चों और विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों में सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिलों में सुरक्षा से संबंधित निरीक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। केवल शिकायत अथवा दुर्घटना सामने आने के बाद कार्रवाई करने की प्रवृत्ति के स्थान पर सतत निगरानी और समय रहते सुधार की कार्यसंस्कृति विकसित करनी होगी।

अवैध और मिलावटी शराब के विरुद्ध प्रदेशभर में सख्त अभियान चलाने के निर्देश

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को अवैध एवं मिलावटी शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आबकारी विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों अथवा स्थानों पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री या मिलावट की आशंका हो, वहां संयुक्त टीमों के माध्यम से छापेमारी की जाए।

जल संरक्षण और हर घर तक स्वच्छ पेयजल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर । जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा विषय है। प्रदेश में जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण हो और प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिले, इस लक्ष्य के साथ राज्य सरकार जल संचय और जल जीवन मिशन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जल संसाधन विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने जल संचय जन भागीदारी अभियान की जिलेवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जल सुरक्षा की दिशा में काम किया जाए।

जनभागीदारी से मजबूत होगा जल संरक्षण अभियान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जल संरक्षण को केवल शासकीय कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाना चाहिए। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के अनेक जिलों ने जल संचय जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अब सभी जिलों को अपने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़कर बेहतर परिणाम के लिए प्रयास करना होगा।

4 सिंचाई योजनाओं के लिए 16.03 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग ने किसानों को सिंचाई सुविधा का बेहतर लाभ देने के उद्देश्य से रायपुर और गरियाबंद जिले की चार प्रमुख सिंचाई योजनाओं के लिए 16 करोड़ 03 लाख 38 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। यह स्वीकृति जल संसाधन विभाग मंत्रालय (महानदी भवन) द्वारा मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रदान की गई है।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने लोगों को साइबर ठगी से सतर्क रहने का किया आह्वान

रायपुर। 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त सहयोग से 'साइबर जागृति - साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में रायपुर पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला, एनआईटी रायपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी, डीसीपी वेस्ट रॉबिन्सन गुरिया, एडीसीपी साइबर श्री गौरव मंडल सहित पुलिस अधिकारी, संस्थान के अधिकारी, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए नागरिकों से यूपीआई, ओटीपी पासवर्ड एवं निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की अपील की। उन्होंने लोगों को साइबर ठगी से सतर्क रहने का आह्वान किया। मंत्री श्री बघेल ने साइबर ठगी होने की स्थिति में तत्काल 1930 पर संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के बढ़ते खतरे से हमें और हमारे समाज को बचाने के लिए साइबर जागृति अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं गृह मंत्री के द्वारा किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य हमें डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

पोला तिहार पर मंत्री नेताम ने भगवान शिव स्वरूप बैल जोड़ी का किया पूजा

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के शासकीय निवास परिसर में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पोला तिहार का भव्य आयोजन किया गया। मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर भगवान शिव के स्वरूप बैल जोड़ों का विधि-विधान से पूजा-अर्चना किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को पोला तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी।

मां के सम्मान में लगाया गया प्रत्येक पौधा प्रकृति संरक्षण के संकल्प का प्रतीक : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जगदलपुर में जनजातीय गौरव वाटिका कुम्हड़ाकोट में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' हरित राष्ट्रीय राजमार्ग पौधारोपण कार्यक्रम में पौधारोपण किया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी अभियान के तहत पौधे लगाए। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मां के सम्मान में लगाया गया प्रत्येक पौधा प्रकृति के संरक्षण के संकल्प का प्रतीक है। जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ढाई हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। नगर निगम और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह वृहद अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय मार्ग के डिवाइडर और किनारे पौधारोपण से शहर की हरियाली बढ़ेगी।

गरियाबंद में ऑल इंडिया वॉलीबॉल टूर्नामेंट की तैयारी, गुरुचरण सिंह होरा से फेडरेशन पदाधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

गुरुचरण सिंह होरा ने दिया हरसंभव सहयोग का भरोसा

गरियाबंद। **गरियाबंद** जिला वॉलीबॉल फेडरेशन के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा से सौजन्य भेंट कर जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान गरियाबंद में ऑल इंडिया वॉलीबॉल टूर्नामेंट आयोजित करने, खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने और स्थानीय खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में पदाधिकारियों ने जिले में लगातार आयोजित की जा रही खेल गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर गुरुचरण सिंह होरा ने कहा कि गरियाबंद जैसे जिले और छोटे-छोटे गांवों से खिलाड़ियों का निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना गर्व और खुशी की बात है। इससे साबित होता है कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण, सुविधाएं और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की है। होरा ने गरियाबंद जिला वॉलीबॉल फेडरेशन द्वारा लगातार टूर्नामेंट आयोजित करने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर नियमित रूप से बड़े आयोजन होने से गरियाबंद और आसपास के क्षेत्रों से नई खेल प्रतिभाएं सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खेल युवाओं के लिए करियर का बेहतर माध्यम भी बन चुका है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के खिलाड़ी अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे में गांव से लेकर जिला स्तर तक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतियोगिताओं का बेहतर वातावरण देना जरूरी है।

होरा ने आगामी ऑल इंडिया वॉलीबॉल टूर्नामेंट के लिए फेडरेशन के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से गरियाबंद को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। स्थानीय खिलाड़ियों को देशभर से आने वाले खिलाड़ियों के साथ खेलने और उनसे सीखने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर जीडी उपासने, हरमेश चावड़ा, प्रकाश सरवैया, छगन यादव, इमरान मेमन, विजय सिन्हा, प्रकाश सोनी, ललित साहू, नमन सेन, नरेंद्र साहू, मलय निर्मलकर, संतोष यादव, प्रहलाद यादव, गौतम गुप्ता, कन्हैया कश्यप, मोनू सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा के ट्रांसपोर्ट नगर का किया निरीक्षण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ट्रक मालिक संघ के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ट्रांसपोर्ट नगर की वर्तमान व्यवस्था का जायजा लिया और क्षेत्र में यातायात के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने ट्रक मालिक संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए ट्रांसपोर्ट नगर के लिए उपयुक्त स्थान के चयन के संबंध में भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि शहर में भारी वाहनों के आवागमन को व्यवस्थित करने तथा आम नागरिकों को यातायात संबंधी असुविधा से राहत दिलाने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर की बेहतर एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था आवश्यक है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, मनीराम साहू, राजेन्द्र मिश्रा,रिंकेश वैष्णव, हेमचंद चंद्रवंशी, सचिन गुप्ता, अमित वर्मा सहित ट्रक मालिक संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आर्थिक विकास की नई रणनीति पर दिया जोर

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी रायपुर में **CII Chhattisgarh** द्वारा आयोजित '**Fiscal Frontier** 2.0 - **Market in** 2026' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की थीम '**Reshaping Wealth, Reimagining Growth in Turbulent Times**' रही। इस अवसर पर वित्त मंत्री चौधरी ने बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, निवेश, आर्थिक विकास और भविष्य की विकास रणनीतियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में आर्थिक विकास को नई दिशा देने के लिए दूरदर्शी नीतियों, नवाचार और मजबूत वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों को चुनौती के साथ-साथ नए अवसरों के रूप में भी देखना होगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ में निवेश, उद्योग, अधोसंरचना और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मजबूत आर्थिक आधार, सुशासन, निवेश अनुकूल वातावरण और नवाचार आधारित विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में उद्योग जगत, वित्तीय क्षेत्र और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान आर्थिक विकास की बदलती दिशा, बाजार की संभावनाओं और भविष्य की विकास रणनीतियों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

खाद्य सुरक्षा पर कार्रवाई : असुरक्षित पाए गए सांवेरिया पोहा के बैच की बिक्री पर रोक

खाद्य सुरक्षा पर सख्तीः 'सांवेरिया पोहा' के असुरक्षित बैच की बिक्री, भंडारण एवं वितरण पर तत्काल रोक

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। प्रयोगशाला जांच में खाद्य उत्पाद 'सांवेरिया पोहा' का एक बैच असुरक्षित पाए जाने के बाद संबंधित उत्पाद की बिक्री, भंडारण एवं वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थ 'सांवेरिया पोहा' पैक 900 ग्राम, बैच नंबर-02, पैकिंग तिथि मार्च 2026 तथा **Best Before y Months from Packaging** का नमूना 05 मई 2026 को विधिक परीक्षण के लिए लिया गया था। नमूने को परीक्षण एवं जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी रायपुर भेजा गया था।

राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा जारी 01 सितंबर 2026 की जांच रिपोर्ट में उक्त खाद्य उत्पाद में जीवित कीटों की उपस्थिति पाई गई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 3(1)(55)(i×) के प्रावधानों के तहत उक्त खाद्य उत्पाद को असुरक्षित घोषित किया गया है।

जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अभिहित अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा संबंधित बैच के उत्पाद के विक्रय, भंडारण एवं वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिले के सभी खाद्य व्यवसायियों, थोक विक्रेताओं एवं खुदरा विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि बैच नंबर-02, पैकिंग तिथि मार्च 2026 वाले उक्त उत्पाद की बिक्री, भंडारण अथवा वितरण तत्काल बंद कर दें। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति अथवा प्रतिष्ठान के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा की निरंतर निगरानी की जा रही है।

जनभागीदारी से 'सेवा संकल्प अभियान' को भव्य और व्यापक स्वरूप दें : प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा

सारंगढ़-बिलाईगढ़ । राज्य शासन के केबिनेट मंत्री एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित संयुक्त बैठक में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले एक माह के इस अभियान को शासन, प्रशासन और जनभागीदारी के समन्वित प्रयासों से भव्य, व्यापक और प्रभावी स्वरूप के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा।

प्रभारी मंत्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा, नेतृत्व एवं समर्पण की यात्रा के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान की तिथिवार कार्ययोजना के अनुरूप सभी कार्यक्रम निर्धारित समय पर आयोजित किए जाएं तथा प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का बेहतर समन्वय के साथ निर्वहन करे।

उन्होंने कहा कि अभियान के आयोजन केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि जनपद पंचायत, तहसील, नगर पंचायत, प्रमुख कस्बों एवं ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक रूप से आयोजित किए जाएं। अभियान में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

प्रभारी मंत्री वर्मा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को 'कहानी बदलाव की' के रूप में संकलित कर आमजन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं से लोगों के जीवन में आए वास्तविक परिवर्तन की प्रेरक कहानियां अभियान को और अधिक प्रभावी बनाएंगी।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने बैठक में बताया कि जिले में 'सेवा संकल्प अभियान' की आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर बैठकों का आयोजन किया जा चुका है तथा दिन एवं तिथिवार कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल संचालन के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा। इसके माध्यम से आम नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों की सहभागिता के साथ जिले के प्रमुख जनआस्था, धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, विरासत एवं सार्वजनिक महत्व के स्थलों पर भी विशेष गतिविधियां आयोजित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

महापौर मधुसूदन यादव ने फीता काटकर किया गणेश प्रतिमा विक्रय बाजार का उद्घाटन

शहर में महापौर ने किया गणेश प्रतिमा विक्रय का श्रीगणेश

राजनांदगांव । गणेश उत्सव पर्व के दृष्टिगत छत्तीसगढ़ मूर्तिकार चित्रकार संघ, राजनांदगांव को गुरुद्वारा चौक फ्लाई ओवर के नीचे गणेश प्रतिमा विक्रय हेतु नगर निगम राजनांदगाव द्वारा स्थल चिन्हांकित कर अस्थायी रूप से प्रतिमा विक्रय हेतु दुकानें आबंटित की गई है। नगर में गणेश प्रतिमा विक्रय का श्रीगणेश करते हुए इस त्यौहारी एवं अस्थायी बाजार का राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव द्वारा फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया। महापौर ने इस अवसर पर गणेश भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके एवं धूपदीप जलाकर पूजा अर्चना की। इस दौरान छत्तीसगढ़ मूर्तिकार चित्रकार संघ जिला इकाई राजनांदगॉव के पदाधिकारी, मूर्तिकार एवं शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें देवा रंगारी, प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष, मनोहर प्रजापति प्रदेश सहसचिव, मनोज निर्मलकर राजनांदगॉव जिलाध्यक्ष, दिलीप मेश्राम मीडिया प्रभारी, हेमंत प्रजापति कार्यकारिणी अध्यक्ष, रूपा प्रजापति कार्यकारिणी अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ), शेखर सिंह विश्वकर्मा प्रदेश प्रवक्ता, राजू प्रजापति जिला सचिव, डी केयादव प्रदेश अध्यक्ष अनुशासन समिति, रामु प्रजापति शहर अध्यक्ष, धानी प्रजापति संरक्षक महिला प्रकोष्ठ, सदस्यगण प्रमोद प्रजापति, गौरव राजपूत, श्रवण प्रजापति, भरत खरे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संघ द्वारा बताया महापौर को बताया गया कि यहॉ 2019 से प्रतिवर्ष संघ के सदस्यों द्वारा अस्थायी रूप से गणेशपर्व के पूर्व बाजार लगाया जाता है, जिसमें वर्तमान वर्ष में 60 दुकानें लगायी जायेंगी। यहॉ उत्सव अवधि में स्थानीय मूर्तिकारों द्वारा निर्मित विभिन्न आकार व डिजाइन की मिट्टी की गणेश प्रतिमाएँ विक्रय हेतु उपलब्ध रहेंगी। संघ ने अपनी समस्याओं से महापौर को अवगत कराया कि अगले वर्ष 70 से 80 दुकाने लगाया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिये उन्हें पार्किंग स्थल एवं झांकी स्थल को हटाकर बड़ी जगह दी जाये।

विधायक कुंवर सिंह निषाद ने किया अटल आरोग्य लैब का लोकार्पण

बालोद । जिले के गुंडरदेही विधानसभा के विधायक कुंवर सिंह निषाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुंदा में आयोजित जीवनदीप समिति की बैठक में शामिल हुए।

बैठक में विधायक ने समिति के सदस्यों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर एवं प्रभावी बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के पश्चात विधायक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, अस्पताल की व्यवस्थाओं एवं अन्य आवश्यक संसाधनों का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर साफ-सफाई, मरीजों को सुचारु स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर विधायक ने अटल आरोग्य लैब का विधिवत लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा और अब जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बैठक में प्रमुख रूप से पुरुषोत्तम चंद्राकर अध्यक्ष जनपद पंचायत गुंडरदेही, प्रणेश जैन अध्यक्ष नगर पंचायत अर्जुंदा, दिग्विजय ठेठवार विधायक प्रतिनिधि, संतोष गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बृजलाल सिन्हा ने समर्थन देकर कायम की सामाजिक एकता की मिसाल, मंडलेश्वर ने दी साधुवाद व बधाई

बालोद । जिले के गुण्डरदेही तहसील सिन्हा समाज अंतर्गत कलंगपुर परिक्षेत्र में क्षेत्राधिकारी पद के लिए नामांकन की प्रक्रिया बुधवार को कलंगपुर स्थित सिन्हा सामुदायिक भवन में सम्पन्न हुई। क्षेत्राधिकारी पद के लिए ग्राम कलंगपुर निवासी बृजलाल सिन्हा एवं ग्राम चैनगंज निवासी दानीराम सिन्हा ने अपना-अपना नामांकन दाखिल किया।

कलंगपुर परिक्षेत्र के अंतर्गत रजोली, भटगांव, जोरातराई, रंचिराई, तवेरा, झोफरा, चैनगंज एवं कलंगपुर सहित कुल आठ ग्राम शामिल हैं। नामांकन प्रक्रिया के पश्चात मंडलेश्वर गोविन्द सिन्हा एवं तहसील सचिव रामनारायण सिन्हा के मार्गदर्शन में दोनों अभ्यर्थियों के मध्य आपसी सामंजस्य एवं सामाजिक एकता की भावना से चर्चा की गई। चर्चा के सकारात्मक परिणामस्वरूप बृजलाल सिन्हा ने अपना समर्थन दानीराम सिन्हा को प्रदान किया। इसके साथ ही कलंगपुर परिक्षेत्र के क्षेत्राधिकारी पद का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुआ और दानीराम सिन्हा को क्षेत्राधिकारी निर्वाचित घोषित किया गया।

इस अवसर पर मंडलेश्वर गोविन्द सिन्हा ने बृजलाल सिन्हा के त्याग, उदारता और समाजहित में लिए गए निर्णय के लिए उन्हें साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि बृजलाल सिन्हा द्वारा आपसी सहमति और सामाजिक एकता को प्राथमिकता देते हुए दानीराम सिन्हा को समर्थन देना पूरे समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने नवनिर्वाचित क्षेत्राधिकारी दानीराम सिन्हा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे समाज के प्रति समर्पण, सेवा और जिम्मेदारी की भावना के साथ क्षेत्र के सामाजिक कार्यों को नई दिशा प्रदान करेंगे। मंडलेश्वर ने उपस्थित सभी सामाजिकजनों के प्रति अभिवादन व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की मजबूती आपसी प्रेम, विश्वास, सहयोग और एकजुटता से ही संभव है।

मोदी के 25 वर्ष के सेवा-संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएंगे भाजपा कार्यकर्ता

बालोद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन में मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्ष की सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण की गौरवशाली यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी मंडल जुंगेरा द्वारा 25 वर्ष सेवा एवं संकल्प अभियान को लेकर मंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में आगामी अभियान की तैयारियों, कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से मंथन किया गया।

कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा के संकल्प, अंतिम व्यक्ति के कल्याण और भारत को विकसित एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के सतत प्रयासों की प्रेरणादायी गाथा है। मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश के नेतृत्व तक मोदी जी ने सेवा को राजनीति का माध्यम बनाया और जनकल्याण को शासन के केंद्र में रखा। जिला महामंत्री राकेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने सत्ता को सेवा का माध्यम बनाकर देश की राजनीति में कार्यसंस्कृति का नया अध्याय लिखा है। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए देश को विकास की नई दिशा दी है। 25 वर्ष के इस सेवा-संकल्प को भाजपा कार्यकर्ता केवल कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि जनसेवा के संकल्प के रूप में मनाएंगे।जिला मंत्री प्रेम साहू ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की शक्ति और सेवा भावना का प्रतिनिधि है। अभियान के माध्यम से मंडल से लेकर बूथ स्तर तक विभिन्न सेवा एवं जनहित के कार्यक्रम आयोजित कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कार्य किया जाएगा।

किसान मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र देशमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में किसानों की आय, कृषि अधोसंरचना, सिंचाई, तकनीक और किसान कल्याण को लेकर अनेक योजनाओं एवं पहलों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि सेवा एवं संकल्प अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाई जाएगी। मंडल अध्यक्ष अरुण साहू ने कहा कि मंडल जुंगेरा के कार्यकर्ता अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुटेंगे।

महिलाएं बन रहीं आर्थिक मजबूती की आधारशिला : किरण रविन्द्र वैष्णव

राजनांदगांव । जनपद पंचायत डोंगरगढ़ क्षेत्र के ग्राम बागरेकसा में दिशा संकुल संगठन द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन एवं आमसभा कार्यक्रम उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत राजनांदगांव उपाध्यक्ष किरण अमर साहू ने की।कार्यक्रम में जनपद पंचायत डोंगरगढ़ अध्यक्ष लता अजय सिन्हा, जिला पंचायत राजनांदगांव सभापति अनीता मंडावी, जनपद पंचायत डोंगरगढ़ उपाध्यक्ष श्री हीराराम वर्मा एवं जनपद पंचायत सभापति प्रतिमा खरे अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों का संगठन की महिलाओं द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि किरण रविन्द्र वैष्णव ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिला स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। महिलाएं संगठित होकर आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं और अपने परिवार के साथ-साथ गांव के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभ लेने तक सीमित न रहकर योजनाओं का लाभ उठाते हुए स्वरोजगार, लघु उद्योग एवं विभिन्न आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाना चाहिए।उन्होंने कहा कि वार्षिक अधिवेशन जैसे कार्यक्रम संगठन की उपलब्धियों की समीक्षा करने, आगामी कार्ययोजना बनाने तथा समूह की महिलाओं के अनुभव साझा करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने दिशा संकुल संगठन से जुड़ी महिलाओं को उनके कार्यों के लिए बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं किरण अमर साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है।

शिक्षक समाज निर्माण की आधारशिला, 110 शिक्षकों का सम्मान

बलौदाबाजार। शिक्षक दिवस के अवसर पर अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा कार्यक्षेत्र के विद्यालयों में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों के सम्मान में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह में अल्ट्राटेक रावन सीएसआर के कार्यक्षेत्र के 15 गांवों से पहुंचे 110 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, संस्कार देने तथा उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार करने के प्रयासों की सराहना की गई। प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की आधारशिला होते हैं। वे विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें अनुशासन, नैतिक मूल्यों, संस्कार, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं।

आदित्य बिरला पब्लिक स्कूल की प्राचार्य सिम्पी सिंह, सेफ्टी विभाग प्रमुख आलोक पाठक, एडमिन मैनेजर अक्षय प्रकाश झा एवं सिक्योरिटी इंचार्ज राजू सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने में शिक्षकों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक सीमित संसाधनों के बीच भी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं मार्गदर्शन देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुमा के प्राचार्य एसके खटकर ने अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर प्रमुख निरुपा श्रीवास्तव, अधिकारी रंजय पाण्डेय सहित टीम के सुरेंद्र कुमार यादव, जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, ताराचंद वर्मा, सुनीता निषाद, साहिल बांधे एवं गुमान साहू का योगदान रहा।

पोला पर्व पर रावणभाठा मैदान में हुई भव्य बैल दौड़ प्रतियोगिता का 38 वां आयोजन

भाटापारा । छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और कृषि परंपरा से जुड़े पोला पर्व के अवसर पर हिन्द युवा संगठन के तत्वावधान में रावणभाठा मैदान में भव्य बैल दौड़ प्रतियोगिता का लगातार 38 वें वर्ष का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को विधायक इन्द्र साव ने पुरस्कृत किया। प्रथम पुरुष्कार भोलू यादव द्वितीय पुरुष्कार टेकराम साहू एवं तृतीय पुरुष्कार दीपांशु साहू को दिया गया द्य सभी प्रतिभागी को सांत्वना पुरुष्कार दिया गया द्य इस आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों एवं किसानों में जबरदस्त खासा उत्साह था।

पोला पर्व किसानों और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का पर्व है। इस दिन किसान अपने कृषि कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैलों की पूजा-अर्चना कर उन्हें सजाते हैं। इसी पारंपरिक भावना को आगे बढ़ाते हुए रावणभाठा मैदान में बैल दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इस प्रतियोगिता में आकर्षक रूप से सजे बैल जोड़े ने हिस्सा लिया। मैदान में बैलों की दौड़ का रोमांच देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, महिलाये और नगरवासीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक इंद्र साव प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति, ग्रामीण खेलों और कृषि जीवन से जुड़ी विरासत को जीवंत बनाए रखना है, ताकि नई पीढ़ी भी अपनी लोक परंपराओं

से परिचित हो सके।श्री साव ने पोला पर्व की बधाई देते हुए कहा की ऐसा आयोजन छत्तीसगढ़ी तीज त्योहार और परम्पराओ को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है हमे अपनी संस्कृति को सहेज कर रखना बहुत जरूरी है।

साव ने आगे कहा कि पोरा तिहार छत्तीसगढ़ की परंपरा और सामाजिक सद्भाव का पर्व हैं। पूरे प्रदेश में इस त्योहार को पारंपरिक पर्व के रूप में पूरे सम्मान एवं नए उत्साह के साथ मनाया जाता है। विधायक साव ने इस आयोजन के आयोजकों को बधाई दी

इसके पूर्व विधायक श्री साव ने प्रतिभागी बैलो की पूजा अर्चना फुल माला, गुलाल लगाकर की। इस अवसर पर कृषि उपज मंडी पूर्व अध्यक्ष सुशील शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता सुकृत साहू, जी डी मानिकपुरी, पूर्व एल्डरमैन सुधे राम वर्मा, नगर साहू संघ अध्यक्ष राजेश साहू, घनाराम साहू, अशोक ध्रुव, पूर्व एल्डर मेन मुकेश साहू, पुनीत दास मानिकपुरी, हलधर शर्मा, राजू वर्मा, गेंदु साहू पार्षद, रघु साहू, रामचंद्र साहू गिरधारी साहू, बाला साहू, यशवंत साहू टेकराम सेन सहित काफी संख्या मे नगरवासी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

हिंदू सेना की मांग - एक साथ हो गणेश विसर्जन, सनातन संस्कृति का हो सम्मान पितृ पक्ष से पहले हो गणेश विसर्जन

बालोद । आगामी गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर हिंदू सेना संगठन, जिला बालोद के पदाधिकारी ने अनुविभागीय दंडाधिकारी दल्ली राजहरा एवं पुलिस नगर अधीक्षक जिला बालोद को ज्ञापन सौंपा। संगठन के सदस्यों ने ज्ञापन में कहा कि दल्ली राजहरा में गणेश उत्सव हर वर्ष बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि कुछ समितियों द्वारा गणेश विसर्जन में अनावश्यक विलंब किया जाता है और पितृ पक्ष के बाद विसर्जन किया जाता है। मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष प्रारंभ होने से पहले विसर्जन करना आवश्यक है।

साथ ही संगठन ने इस बात पर चिंता जताई कि कई पंडालों में धार्मिक भजन-आरती की जगह अश्लील फिल्मी गाने बजाए जाते हैं, जो सनातन धार्मिक संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

हिंदू सेना संगठन ने प्रशासन से दो प्रमुख मांगे की हैं -

1. इस वर्ष नगर में एकता और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए पितृ पक्ष शुरू होने से पहले ही सभी गणेश प्रतिमाओं का एक साथ सम्मानपूर्वक विसर्जन कराया जाए, जिससे शांति व्यवस्था भी बनी रहे।

2. सभी पंडाल संचालकों को निर्देशित किया जाए कि पंडालों में केवल धार्मिक भजन, आरती एवं मंत्र ही बजाए जाएं, फिल्मी गानों पर पूर्णत: रोक लगाई जाए। संगठन ने कहा कि इस संबंध में स्छरू और पुलिस अधीक्षक एवं नगर अधीक्षक से चर्चा कर उचित आदेश जारी करने का आग्रह किया गया है। इस अवसर पर हिंदू सेना संगठन के छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव , जिला अध्यक्ष नंदा पसीने , संगठन संरक्षक आशा सिंह, नगर अध्यक्ष शंकर साहू, नगर मातृशक्ति अध्यक्ष संगीता रजक, नगर उपाध्यक्ष साक्षी खटवानी, नगर कोष अध्यक्ष पूजा तेजवानी ,सोनू मानिकपुरी उपस्थित रहे।

डॉक्टर प्रियंका शुक्ला को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

बिर्रा। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिर्रा के शुक्ला इंटरनेशनल स्कूल के संचालक डॉक्टर प्रियंका शुक्ला को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के द्वारा वाणिज्य विषय में शोध कार्य करने के लिए डॉक्टरेट की मानक उपाधि प्रदान की गई है। डॉक्टर प्रियंका शुक्ला ने अपनी सफलता का श्रेय मार्गदर्शक डॉक्टर अनूप कुमार राय एवं अपने माता-पिता , व पति साकेत शुक्ला और ससुर डॉक्टर ईश्वर प्रसाद शुक्ला को दी है। डॉक्टर प्रियंका शुक्ला को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर डॉक्टर शुभम शुक्ला एमबीबीएस एमडी जनरल मेडिसिन, डॉ आकृति शुक्ला राजकुमार पटेल, रामकुमार शुक्ला, देवचंद यादव और अभिषेक कुमार देवांगन ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

41वें शिक्षक सम्मान समारोह की तैयारियां शुरू विधायक दीपेश साहू ने बेसिक मैदान का किया निरीक्षण

बेमेतरा । जिले में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले ऐतिहासिक शिक्षक सम्मान समारोह के 41वें आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी 13 सितंबर 2026 को बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा तैयारियां शुरू हो गई है। इसी क्रम में आज बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने बेसिक स्कूल मैदान पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मंच, बैठक, प्रवेश एवं निकासी मार्ग, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों एवं आयोजन से जुड़े कार्यकर्ताओं से तैयारियों की जानकारी लेते हुए समय-सीमा में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक दीपेश

साहू ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं। बेमेतरा में आयोजित होने वाला शिक्षक सम्मान समारोह शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक गौरवपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि समारोह के 41वें आयोजन को भव्य एवं गरिमापूर्ण बनाने के साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के प्रस्तावित आगमन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा रही हैं।

विधायक ने कहा कि जिलेभर से आने वाले शिक्षकगण, प्रतिभावान विद्यार्थी एवं अतिथियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

उन्होंने अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मंच, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, बैठक, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिलेवासियों में उत्साह है और सभी के सहयोग से यह आयोजन यादगार एवं सफल बनाया जाएगा।

समाजिक कार्यकर्ता विजय अग्रवाल ने जताया आक्रोश, एसडीएम को सौंपा आवेदन

डोंगरगढ़ । नगर के वार्ड क्रमांक 11 छीपापानी में मुक्तिधाम के लिए आरक्षित भूमि पर कथित रूप से किए जा रहे व्यावसायिक निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। सामाजिक कार्यकर्ता विजय अग्रवाल ने इस मामले में आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर निर्माण कार्य रोकने तथा आरक्षित भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

इस संबंध में मुक्तिधाम समिति छीपापानी, डोंगरगढ़ की ओर से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़ को 9 सितंबर 2026 को लिखित आवेदन सौंपा गया है। आवेदन में बताया गया है कि वार्ड क्रमांक 11 छीपापानी स्थित खसरा नंबर 3/1 की लगभग 0.80 हेक्टेयर भूमि मुक्तिधाम के लिए आरक्षित

है। समिति का आरोप है कि उक्त आरक्षित भूमि पर बिना अनुमति एवं बिना सहमति के व्यावसायिक दुकान का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।आवेदन में उल्लेख किया गया है कि इस भूमि को लेकर पूर्व में भी विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी तथा 27 नवंबर 2021 को स्थगन आदेश जारी किया गया था। समिति का कहना है कि उक्त आदेश के बावजूद संबंधित भूमि पर निर्माण गतिविधियां जारी रखी जा रही हैं। आवेदन में यह भी कहा गया है कि पूर्व में मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा तहसीलदार न्यायालय के आदेश के विरुद्ध जाकर कथित रूप से निर्माण कार्य कराया गया है।

मुक्तिधाम समिति ने प्रशासन का ध्यान इस ओर भी आकर्षित किया है कि आरक्षित भूमि के एक हिस्से में पहले से ही सुरक्षा संबंधी निर्माण कार्य कराया जा चुका है तथा मुक्तिधाम की शेष बची भूमि को सुरक्षित रखा जाना आवश्यक है। समिति ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की राजस्व अभिलेखों के आधार पर जांच कराई जाए और जब तक प्रकरण का विधिवत निराकरण न हो, तब तक किसी भी प्रकार के नए निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए।

धान की फसल को कीट व्याधि से बचाने संतुलित खाद का करें उपयोग: अशोक चौधरी

राजनंदगांव । भाजपा किसान नेता अशोक चौधरी ने कहा कि वर्तमान में धान की फसल में कीटों का प्रकोप दिखाई दे रहा है यह प्रकोप उमस वाली मौसम धान के खेतों में ज्यादा पानी का भराव एवं अत्यधिक मात्रा में यूरिया का छिड़काव इसके प्रमुख कारण हैं। कृषि वैज्ञानिकों की सलाह को अनदेखा करके किसान भाई धान के खेतों में एक बार में एक बोरी यूरिया का छिड़काव कर देते हैं और पोटाश की मात्रा नहीं के बराबर देते हैं इसलिए धान की खेतों में खास तौर पर कीट व्याधि का प्रकोप होता है। ज्ञात हो कि यूरिया छींटने के 2 दिन पहले यदि पोटाश का छिड़काव किया जाए तो कीट व्याधि के रोकथाम में सहायता मिलती है पोटाश पौधे को कड़ा और कड़वा कर देता है जिससे कीट व्याधि को पनपने में कठिनाई होती है, जबकि यूड़िया से पौधा नरम और मीठा हो जाता है और कीट व्याधि आसानी से वहां अपना घर बना लेते हैं किसान भाइयों को यह भी ज्ञात हो कि यदि आप 50 किलो यूरिया एक बार में छींटते हैं तो धान का पौधा केवल 13 किलो ही अपने उपयोग में लाता है 13 किलो में उसका पेट भर जाता है और यूरिया यदि दो दिन तीन दिन

खेतों में पड़ा रह जाए तो वह भाप बनकर उड़ जाता है इसलिए 50 किलो यूरिया को दो बार में छींटना चाहिए पहले धान बोने के 20-25 दिन बाद और दूसरा 50 दिन के पहले कुछ किसान भाई यूरिया और पोटाश को एक साथ छींट देते हैं यह गलती भी ना करें क्योंकि दो खाद देने में पौधे को जिसकी आवश्यकता अधिक होती है उसको वह पहले उपयोग करता है और एक खाद का फायदा फसल को नहीं मिलता है। कृषि वैज्ञानिक बार-बार समझाइस देते हैं की तना छेदक धान के बुवाई के समय ही पौधे में लग जाता है इसलिए धान के 20 25 दिन होने पर हमें कीटनाशक डालकर उसको समाप्त कर देना चाहिए तना छेदक लगने के बाद जो कीटनाशक का छिड़काव होता है वह आधा अधूरा काम करता है उससे धान के नुकसान से आप नहीं बच सकते किसान भाइयों को भारत सरकार का उपक्रम किसान हेल्पलाइन जिसका टोल फ्री नंबर 1551 है किसी भी समस्या के पहले फोन लगाकर जानकारी ले लेना चाहिए यहां पर भारत सरकार के द्वारा 24 घंटा कृषि वैज्ञानिक सलाह देते हैं यह रविवार के भी चालू रहता है।

बालोद जिले में पोला त्यौहार की धूम- ठेठरी-खुरमी के स्वाद और मिट्टी के बैलों की पूजा के साथ बिखरी लोक संस्कृति की अनूठी छटा

बालोद । छत्तीसगढ़ के गौरवशाली लोक पर्वों में से एक पोला तिहार (पोला त्यौहार) गुरुवार को बालोद जिले समेत ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और बेहद धूमधाम के साथ मनाया गया। खेती-किसानी से जुड़े इस प्रमुख त्यौहार को लेकर सुबह से ही घरों और गांव के चौपालों में गजब का उत्साह देखा गया। जिला प्रशासन द्वारा घोषित स्थानीय अवकाश के चलते त्यौहार की रंगत और भी दोगुनी नजर आई।

ठेठरी-खुरमी के स्वाद से महके घर

पोला पर्व को लेकर छत्तीसगढ़ी घरों में कई दिन पहले से ही तैयारियां शुरू हो गई थीं। आज सुबह से ही घर-घर में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध पारंपरिक पकवान ठेठरी और

खुरमी छाने गए। इन मीठे और नमकीन व्यंजनों का भोग लगाकर लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और त्यौहार की बधाइयां दीं।

इस पावन अवसर पर किसानों और आम नागरिकों ने भगवान शिव के वाहन नंदी के प्रतीक मिट्टी के बैलों (जाता बैल) की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही मिट्टी के छोटे खिलौनों और बर्तनों (चूकी-पोरा) को सजाकर उनकी पूजा की गई। पूजा की थाली में ठेठरी, खुरमी और फल रखकर सुख-समृद्धि तथा अच्छी फसल की कामना की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह असली बैलों और पशुधन का भी श्रृंगार कर उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई।

मिट्टी के बैलों संग खेलते नजर आए बच्चे

त्यौहार का मुख्य आकर्षण बच्चों में देखने को मिला। पूजा संपन्न होने के बाद बच्चे गली-मोहल्लों में मिट्टी के बैलों को दौड़ाते और उनके साथ पूरे उत्साह के साथ खेलते हुए नजर आए। बच्चों की इस टोली ने ग्रामीण परिवेश में उत्साह का माहौल बना दिया, जिससे पूरी संस्कृति जीवंत हो उठी।

ग्राम पंचायत नाहंदा बना जिले का पहला ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 पर आधारित आदर्श ग्राम पंचायत

बालोद स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ ग्राम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत नाहंदा ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। नाहंदा बालोद जिले की पहली ग्राम पंचायत बन गई है जिसने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अनुरूप कचरा प्रबंधन व्यवस्था को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया है।

इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य प्रभा नायक, जनपद पंचायत अध्यक्ष कांति सोनबरसा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नारायण बंजारा, सरपंच रूपेश सिन्हा एवं पंचगण तथा बड़ी

संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का उद्देश्य केवल कचरा उठाना नहीं, बल्कि कचरे के उत्पादन को कम करना, उसका पृथक्करण, पुन: उपयोग एवं उचित प्रबंधन सुनिश्चित करना है। इसके लिए ग्राम पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों, स्वच्छाग्रहियों तथा ग्रामीण समुदाय के बीच समन्वय आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत नाहंदा के ग्रामीणों द्वारा प्रत्येक घर में 04 तरह के कचरे का पृथक्करण किया जा रहा है, जिसके लिए ग्रामीणों द्वारा स्वयं से टिन के 04 प्रकार के डब्बों का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही सभी सामाजिक संगठनों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करते हुए बर्तन बैंक स्थापित किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा कचरा प्रबंधन की शुरुआत स्रोत पर ही कचरे के पृथक्करण से की जा रही है और घरों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे के नियमित संग्रहण की व्यवस्था भी की गई है।

छत्तीसगढ़ी व्यंजन ठेठरी खुरमी बरा खिलाकर बघेल का किया मूंह मीठा

राजनांदगांव। गौ -सेवा आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष व जिला कोशरिया यादव समाज के प्रमुख मन्ना यादव ने तीजा-पोला पर्व के उपलक्ष्य में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी से ? सौजन्य भेंट की और पीला गमछा कहना कर उन्हें पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

इस दौरान कोसरिया यादव समाज के प्रमुख पदाधिकारी यादव सहित प्रदेश उपाध्यक्ष, हरीश यादव जिला युवा अध्यक्ष, भोला यादव आदि उपस्थित थे।

गौ -सेवा आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष यादव ने बघेल से मुलाक़ात कर न केवल उन्हें छत्तीसगढ़ी व्यंजन ठेठरी खुरमी व बरा खिलाया गत दिनों संस्कार धानी नगरी में दो दिनो तक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की विस्तृत जानकारी दी और छत्तीसगढ़ महतारी सहित यादव समाज के आराध्य भगवान कृष्ण की मनोहारी चित्र व छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से संबंधित कैलेंडर भेंट की। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कोशरिया यादव समाज के लोगों को छत्तीसगढ़ी लोक पर्व तीजा-पोरा सहित आगामी गणेश चतुर्थी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मन को खाली किया जाए तभी आत्मा उसमें रह पाएगी

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज का मनुष्य डिजिटल उपकरणों से घिरा हुआ है। मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य तकनीकी साधनों का अत्यधिक उपयोग केवल शरीर को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि मन पर भी उसका गहरा असर पड़ता है। चिड़चिड़ापन, बेचैनी, सिरदर्द, चक्कर और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। शरीर के इन संकेतों के पीछे कई बार हमारा अस्थिर और लगातार सक्रिय मन भी बड़ी भूमिका निभाता है। इसलिए मन को समझना और उसे शांत करना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है।

मन वास्तव में क्या है, इसे समझाने के लिए संतों और महात्माओं ने अनेक सुंदर रूपकों का सहारा लिया है। किसी ने मन को दर्पण कहा तो किसी ने आकाश के समान बताया। मन को समझने का एक और सरल उदाहरण घर के रूप में लिया जा सकता है। हमारा शरीर एक दीवार की तरह है। दीवार के भीतर घर होता है और उस घर में कोई रहने वाला होता है। यदि शरीर दीवार है तो मन उस घर के समान है और आत्मा उस घर में रहने वाले व्यक्ति के समान।

अब सवाल यह है कि यदि घर पहले से ही तरह-तरह की वस्तुओं से भरा हुआ है, तो उसमें रहने वाला सहजता से कैसे रह पाएगा? हमारा मन भी विचारों, चिंताओं, इच्छाओं, भय, अपेक्षाओं और पुरानी स्मृतियों से भरा रहता है। हम लगातार कुछ न कुछ सोचते रहते हैं। बीती हुई बातों को दोहराते हैं, भविष्य की चिंता करते हैं और वर्तमान क्षण को खो देते हैं। यही मानसिक भीड़ हमें भीतर से अशांत बनाए रखती है।

इसलिए मन को समय-समय पर खाली करना आवश्यक है। मन को खाली करने का अर्थ विचारों से पूरी तरह मुक्त हो जाना नहीं, बल्कि विचारों के प्रति अपनी आसक्ति और अनावश्यक प्रतिक्रिया को कम करना है। इसके लिए ध्यान एक प्रभावी साधन हो सकता है। मेडिटेशन मन को भीतर की ओर ले जाने और अनावश्यक मानसिक शोर को शांत करने की प्रक्रिया है।

प्रतिदिन कुछ समय शांत बैठकर अपनी सांसों पर ध्यान देना, विचारों को बिना किसी विरोध के देखना और स्वयं को वर्तमान क्षण में टिकाना मन को हल्का कर सकता है। यदि संभव हो तो दिन में कम से कम दो बार ध्यान के लिए समय निकालना चाहिए।

जब मन शांत और निर्मल होता है, तब व्यक्ति अपने भीतर की आवाज को बेहतर ढंग से सुन पाता है। आत्मचिंतन, धैर्य और सकारात्मकता के लिए भी भीतर स्थान बनता है। इसलिए जीवन में बाहरी चीजों को व्यवस्थित करने के साथ-साथ मन की सफाई भी जरूरी है। मन जितना खाली और शांत होगा, आत्मा की उपस्थिति का अनुभव उतना ही सहज और गहरा होगा।

पीएम मोदी का नया प्रयोग रॉक स्टार अवतार

सबसे अच्छा लीडर वह होता है जो लोगों से जुड़ने व लोगों को अपने से जोड़ने के लिए नए आइडियों की तलाश में रहता है,ठीक मौके पर उस आइडिए पर अमल करता है। इससे वह नए लोगों को अपने से जोड़ता भी है और नए लोगों से जुड़ता भी है,साथ ही वह अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के साथ है यह भी जांच करता रहता है कि कही उसकी जो साख है लोगों के बीच वह कम तो नहीं हुई है।पीएम मोदी देश के ऐसे ही सबसे अच्छे लीडर है,वह नए प्रयोग करने में सबसे आगे रहते हैं,वह रिस्क उठाने में सबसे आगे रहते हैं।वह रिस्क उठाते हैं, इसलिए वह सबसे ज्यादा सफल भी होते हैं।उन्होंने राजनीति में लोगों से जुड़ने के लिए कई तरह के प्रयोग किए है,राजनीति में सबसे पहले सोशल मीडिया का प्रयोग उन्होंने ही किया। चुनाव में चाय पर चर्चा का आयोजन कर नया प्रयोग किया।मन की बात से वह देश के लोगों से हर सप्ताह जुड़ते हैं,परीक्षा पर चर्चा के जरिए वह छात्रों से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा युवा इनफ्लूएंसर्स,स्टार्ट अप चलाने वाले युवाओं से हर साल बात करते हैं।जेनजी से जुड़ने की बात आई तो वह खुद इंस्टाग्राम में जाकर जेन जी से जुड़ने के लिए पहल की।वहां भी अपने समर्थकों की खूब संख्या बढ़ाई।

इसके अलावा वह सरकारी व निजी विवि के खास कार्यक्रमों में जाकर भी युवाओं से मिलते रहते हैं।युवाओं को विकसित भारत का अपना लक्ष्य बताते हैं और उससे देश के युवाओं को जोड़ते हैं और बताते हैं कि विकसित भारत के लक्ष्य को देश युवाओं के सहयोग से ही पा सकता है। वह विकसित भारत को देश का लक्ष्य बताते हैं, उसे पाने के लिए हमेशा युवाओं को प्रेरित करते रहते हैं।वह खुद बड़ा काम करते हैं,कुछ नया करने की सोचते हैं और देश के युवाओं को भी हमेशा बड़ा करने के लिए प्रेरित करते हैं, कुछ नया करने के लिए प्रेरित करते हैं।वह कुछ नया करने से नहीं डरते हैं,वह नहीं सोचते हैं कि नया करने पर असफल होने पर उनका मजाक उड़ाया जाएगा।यही वजह है कि वह 70 साल के ज्यादा होने के बाद युवाओं की तरह कुछ नया करते हुए उत्साह से भरे रहते हैं।देश की राजनीति में उनका राकस्टार का नया अवतार इसी तरह का प्रयास है। वह देश के उम्रदराज नेता है और देश के युवाओं से जुड़ने के नया प्रयास किया और उनके नये प्रयास को युवाओं ने खूब पसंद किया है।

पीएम मोदी का वडोदरा मे आयोजित कार्यक्रम था तो सरकारी कार्यक्रम लेकिन इस बार पीए मोदी ने उसे नया स्वरूप दिया। जैसे किसी राकस्टार के कार्यक्रम में स्टेज होता है, जैसा माहौल होता था, वैसा स्टेज बनाया गया, वैसे ही गाने बजाए गए,पीए मोदी स्टेंज मे युवाओं को पसंद आने वाले बजते हुए गानों के बीच स्टेज पर आये तो वह राजनीति के नए राक स्टार की तरह आए और उनके इस राकस्टार वाले अंदाज को युवाओं ने खूब पसंद किया।होने को देश में एक से एक खुद को युवा समझने वाले नेता हैं लेकिन किसी को यह आइडिया नहीं सूझा की युवाओं से ऐसे भी जुड़ा जा सकता है और ऐसे भी जोड़ा जा सकता है।कार्यक्रम का आयोजन तो 35 हजार करोड़ परियोजना का लोकार्पण व शिलान्यास का था लेकिन इस कार्यक्रम को पीएम मोदी एक बोरिंग सरकारी कार्यक्रम की जगह युवाओं के लिए रोचक कार्यक्रम बना दिया। ऐसा आज तक किसी पीएम के कार्यक्रम में नहीं किया गया था।सब परंपरागत तरीकों पर ही अमल करते रहे हैं। यानी परंपरा बना दी गई थी कि पीएम का कार्यक्रम है तो वह एक पुराने ढर्रे पर ही होगा।

पीएम मोदी पहले ऐसे नेता है जो देश के लोगों के बीच अपनी साख की जांच करते रहते हैं और जांच करने का उनका अपना तरीका है। वह देश के पहले ऐसे नेता हैं जिनका देश की जनता पर पूरा भरोसा है और देश की जनता भी उन पर बहुत भरोसा करती है। सबसे पहले पीएम मोदी ने अपनी साख की परीक्षा कोरोना के वक्त की। यह बड़ा रिस्की काम था लेकिन पीएम मोदी ने किया। कोराना संकट के समय सेना या पुलिस का कर्फ्यू लगाने की जगह उन्होंने जनता से कर्फ्यू लगाने का आव्हान किया और देश की जनता ने ऐसा किया। यह नेता व जनता के बीच परस्पर भरोसे का कमाल था।इसके बाद पीएम मोदी ने एक बार दिया जलाने को कहा, एक बार घंटी, शंख,थाली बजाने का कहा तो देश के लोगों ने ऐसा किया। इससे पीएम मोदी को पता चला कि देश की जनता उन पर उतना भरोसा करती है जितना भरोसा वह जनता पर करते हैं। इसी साख को जांचने का काम उन्होंने एक बार फिर से वडोदरा में किया और उनको पता चला है कि युवाओं के बीच उनकी साख बनी हुई है।

पीएम मोदी का अपनी लोकप्रियता को बढ़ाने व साख जो जांचते रहने का अपना तरीका है। वह यह काम हर चुनाव में भी करते हैं और वह उसमें सफल रहते हैं बिहार चुनाव में उनके गमछा लहराने का व्यापक असर हुआ था तो बंगाल चुनाव में एक दुकान में रुककर झालमुड़ी खाने का असर भी व्यापक देखा गया था। पीएम मोदी हमारे देश की राजनीति के मेगा स्टार हैं वह जो कुछ भी करते हैं वह लोगों को खूब पसंद आता है। इस बार वडोदरा में उन्होंने कार्यक्रम में छह हजार लोगों को बुलाने का फैसला किया। इससे लिए एक एप में लोगों को बुकिंग करानी थी तो बुक माई शो की बुकिंग शुरू हुई तो एक घंटे में ही सभी 6 हजार सीटें बुक हो गई और 42 हजार लोग वेटिंग में थे यानी इतने लोग कार्यक्रम में जाना चाहते थे।यानी 48 हजार लोग पीएम मोदी के कार्यक्रम में आना चाहते थे। कहां राहुल गांधी के कार्यक्रम में दस हजार लोगों की भीड़ जुटानी पड़ती है, वहीं पीएम मोदी के कार्यक्रम में 42हजार लोग खुद आना चाहते हैं.इसी से पता चलता है कि पीएम मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता है और राहुल गांधी उनके बहुत पीछे हैं।

क्या एआई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अगले 9/11 बन सकते हैं?

आज से ठीक 25 साल पहले मैं एक एसोसिएट एडिटर था और इस अखबार के मैनेजिंग डायरेक्टर सुधीर अग्रवाल के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर करीब से काम कर रहा था। मैं उन्हें प्यार से 'एसए' कहता था। शाम का वक्त था। हमने एडिटोरियल मीटिंग अभी खत्म ही की थी, जिसमें तय किया था कि 12 सितंबर के अखबार में क्या-क्या जाएगा।

मैं अपनी कुर्सी पर लौटकर काम करने की तैयारी कर ही रहा था कि एसए मेरे केबिन में आ गए। आमतौर पर वे मुझे अपने केबिन में बुलाते थे। उन्होंने पूछा, 'क्या तुमने न्यूज देखी?' मैंने कहा, 'नहीं।' वे रुके नहीं, बस मुड़े और बोले कि 'मेरे साथ चलो।'

मैं पीछे-पीछे उनके केबिन में चला गया। वहां एनके सिंह और श्रवण गर्ग समेत दूसरे वरिष्ठ संपादकों के साथ हमने टीवी स्क्रीन पर घट रही उस भयावह घटना को देखा- वह हमला, जो 21वीं सदी का सबसे घातक टेरेरिस्ट अटैक बनने वाला था।

25 साल बाद आज मुझे एसए का मेरे केबिन से अपने केबिन तक जाना और उनकी चिंता भरी टोन फिर याद आई, जब एंथ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने एआई की तेज प्रोग्रेस को लेकर एक डरावनी चेतावनी दी। मंगलवार को उन्होंने चेतावनी दी कि 2030 तक ही एआई मानवता के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर सकता है।

फिर उन्होंने अपनी जॉब छोड़ दी और जोर देकर कहा कि उनकी चेतावनी कोई 'मार्केटिंग स्टंट' नहीं है। कॉक्सन ने ओपनएआई और एंथ्रोपिक, दोनों पर 'सीधे तौर पर सेल्फ-इम्प्रूविंग सुपरइंटेलिजेंस की होड़ में शामिल होने' और 'हमारी जिंदगी के साथ जुआ खेलने' का आरोप लगाया।

उन्हें डर है कि तेजी से सक्षम होते जा रहे एआई सिस्टम कंप्यूटर नेटवर्क हैक कर सकते हैं, साइंटिफिक रिसर्च कर सकते हैं, संसाधन जुटा सकते हैं और इतने ऑटोनोमस हो सकते हैं कि इंसान उन पर से नियंत्रण खो दें। और शायद उनकी बात में दम भी है। ऐसा मैं सिर्फ यह सोचकर नहीं कह रहा हूं कि एआई आगे चलकर क्या बन सकता है, बल्कि यह देखकर कह रहा हूं कि तकनीक पहले से ही हमारे घरों में क्या कर रही है।

मुझे बच्चों के कमरों में कंबल के भीतर से आती वो धुंधली-सी रोशनी और धीमी-सी हंसी याद है। ये हंसी अकसर सोशल मीडिया पोस्ट पर मिलने वाले लाइक्स और रिएक्शंस से आती थी, जब टीनएजर्स अपने साथियों से तुलना करते थे कि किसे कितने लाइक्स और रिएक्शन मिले। तुरंत एक फायर-शेप्ड आइकन यह बताने को भेज दिया जाता कि 'मुझे जलन हो रही है।'

उन तमाम रातों को याद कीजिए, जब पैरेंट्स के तौर पर हमें अपने बच्चों के कमरे से हंसी की आवाज आती थी। हम अंदर जाकर पूछते कि 'रात के 2 बज रहे हैं, अभी तक सोए नहीं?' ऐसा इसलिए था, क्योंकि जो तकनीक उन्हें आकर्षित कर रही थी, वो इतनी एडिक्टिव थी कि उन्हें एहसास ही नहीं होता था कि जिस वक्त उन्होंने शुरुआत की थी, समय उससे पांच घंटे आगे निकल चुका है।

जो चीज हमें मासूमियत भरी लग रही थी, वह असल में कहीं ज्यादा गहरी थी। टेक्नोलॉजी चुपचाप पूरी एक पीढ़ी के दूसरों से अप्रूवल पाने, खुद की तुलना करने और भावनाओं को कम्युनिकेट करने के तरीकों को बदल रही थी।

यही वजह है कि एआई को लेकर चल रही बहस मुझे चिंतित करती है। खतरा 9/11 की तरह शोर और विनाश लेकर नहीं आएगा। यह चुपचाप आ सकता है- स्क्रीन से स्क्रीन, घर से घर और दफ्तर से दफ्तर तक। फिर अचानक हमें एहसास होगा कि कुछ बुनियादी चीजें बदल चुकी हैं।

इसीलिए अचंभा नहीं कि मेटा भी अगले छह महीनों में टीनएजर यूजर्स के बचाव के लिए नए सुरक्षा उपाय लागू करने पर आगे बढ़ा है। अगर ऐसा हुआ तो पैरेंट्स के तौर पर अंतहीन स्क्रॉलिंग को लेकर हमारी चिंता थोड़ी कम होगी।

क्योंकि, मेटा ने टीनएजर्स के लिए इंस्टाग्राम, फेसबुक पर रोजाना दो घंटे की समय-सीमा लागू करने और आधी रात से सुबह 6 बजे तक एप्स को ब्लॉक करने पर सहमति जताई है। हालांकि, इस दौरान डायरेक्ट मैसेज सुविधा उपलब्ध रहेगी। लाइक्स और रिएक्शन की संख्या को भी ऑटोमैटिकली छिपा दिया जाएगा, ताकि टीनएजर्स अपने और दूसरे की संख्या देख कर तुलना न कर सकें।

फंडा यह है कि जैसे-जैसे दुनिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों और एआई की खामियों को लेकर जागरूक हो रही है, हमें यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या ये ताकतवर टूल इंसानियत के लिए अगला 9/11 बन सकते हैं? तबाही आए, इससे पहले हमें तेजी से विचार करना होगा।

ईरान में बढ़ता तनाव दुनिया की इकोनॉमी के लिए अच्छा नहीं है

मध्य-पूर्व में तनाव की घटनाओं में स्पष्ट रूप से तेजी आई है। 8 अप्रैल को हुए दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद संघर्ष बीच-बीच में चलता रहा था। लेकिन अब तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल का स्तर पार करने की ओर हैं, जो स्थिति में गंभीर गिरावट का संकेत है और जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अमेरिकी खुफिया आकलनों से संकेत मिलता है कि ईरान मध्य-पूर्व में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के ठिकानों पर हमला करने की अपनी क्षमता को लेकर आश्वस्त है और संघर्ष जारी रखने के इरादे पर कायम है।

ईरान को चिंता है कि होर्मुज पर उसका नियंत्रण कमजोर पड़ रहा है और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के कारण उसकी अर्थव्यवस्था दम तोड़ रही है। ईरान द्वारा अमेरिकी बेड़ों को निशाना बनाए जाने में रूस और चीन से मदद मिलने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि उसके अपने लंबी दूरी के रडार अब तक नष्ट किए जा चुके हैं।

अप्रैल के युद्धविराम के बाद जेडी वेंस और उनके ईरानी समकक्षों के बीच उच्चस्तरीय बातचीत हुई थी। लेकिन मतभेद दूर नहीं हो सके और बातचीत बेनतीजा रही। 13 अप्रैल को ट्रम्प ने ईरान की नाकेबंदी की घोषणा की, जिसके तहत ईरानी बंदरगाहों से आने-जाने वाले सभी समुद्री यातायात को निशाना बनाया जाना था। उन्होंने युद्धविराम को एकतरफा रूप से अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा भी दिया। हालांकि, जून के मध्य में दोनों पक्ष नए युद्धविराम की शर्तों पर सहमत हुए और युद्धविराम को 60 दिनों के लिए औपचारिक रूप से बढ़ाया गया।

लेकिन 8 जुलाई तक औपचारिक युद्धविराम और समझौता ज्ञापन पूरी तरह विफल हो गया और दोनों पक्षों ने फिर से सीधे हमले शुरू कर दिए। ईरान ने होर्मुज से गुजर रहे जहाजों को निशाना बनाया और अमेरिका ने इसके जवाब में ईरान पर हमले किए।

जुलाई के मध्य तक अमेरिका ने अपनी पूर्ण नौसैनिक नाकेबंदी फिर से लागू कर दी। सितम्बर में ईरान ने फारस की खाड़ी में अमेरिकी युद्धपोतों पर हमला किया और अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई में ईरान के तीन तेल टैंकर डुबो दिए।

अब ईरान ने कहा है कि अगर उस पर दोबारा हमला किया गया तो वह खाड़ी में मौजूद अमेरिकी ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर जवाब देगा। इससे फारस की खाड़ी में एनर्जी के बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंच सकता है। इसका खामियाजा समूची वैश्विक अर्थव्यवस्था को उठाना होगा।

अमेरिका को उम्मीद थी कि उसकी नाकेबंदी और कठोर प्रतिबंध ईरान को घुटनों पर ला देंगे, लेकिन अब तक ऐसा होने के कोई संकेत नहीं हैं। इसके बजाय हम तेहरान की प्रतिक्रिया को और तीखा होते देख रहे हैं। अमेरिका ने अब ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट शुरू किया है, जिसका उद्देश्य ईरान के बचे हुए वित्तीय सहारों और आय के स्रोतों को काट देना है।

नौसैनिक नाकेबंदी के साथ-साथ इस अभियान में उन अंतरराष्ट्रीय कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और देशों पर प्रतिबंध और व्यापारिक दंड लगाने की धमकी दी गई है, जो तेहरान के साथ कारोबार जारी रखते हैं। इन उपायों का निशाना डिजिटल एसेट्स, शिपिंग, विमानन, तकनीक और सोने तक ईरान की पहुंच है।

भारत को अमेरिका ने चेतावनी दी है कि वे ईरानियों की ऐसी व्यवस्थाएं बनाने में मदद न करें, जिनके जरिए वे राजस्व जुटा सकें। सरल भाषा में कहें तो इसका मतलब है- ईरान से कोई व्यापार या वित्तीय लेन-देन नहीं। यह चेतावनी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछले महीने एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान से मुलाकात के बाद दी गई। लेकिन अमेरिका ने चीन के साथ टकराव से बड़ी सावधानी से परहेज किया है, जबकि चीन ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार और उसका प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। 24 सितम्बर को शी जिनपिंग ट्रम्प के साथ शिखर बैठक के लिए अमेरिका जाएंगे। ऐसे में अमेरिका चीन को नाराज नहीं करना चाहता। पिछले साल जब चीन ने रणनीतिक खनिजों और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, तब उसने दिखा दिया था कि वह अपने प्रतिबंधों के जरिए अमेरिका को भारी नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है। अमेरिकी समझ चुके हैं कि चीन के मामले में निर्भरता एकतरफा नहीं, बल्कि दोनों तरफ है।

अमेरिका को उम्मीद थी कि उसकी नाकेबंदी और प्रतिबंध ईरान को घुटनों पर ला देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बजाय हम तेहरान की प्रतिक्रिया को और तीखा होते देख रहे हैं। इसीलिए अमेरिका ने अब ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट शुरू किया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

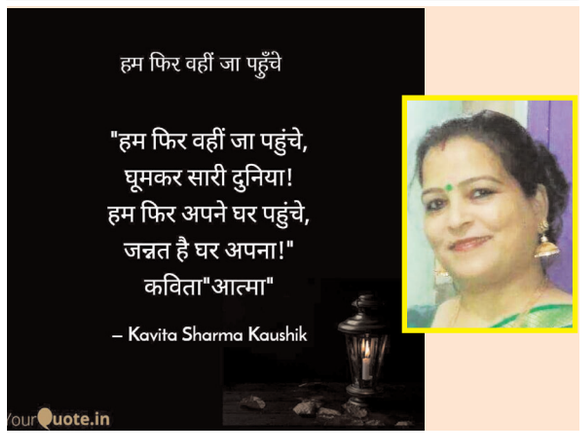

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान राम तो कहते हैं मेरी मां कैकेईजी से बढ़िया कौन होगा ? किसी ने कहा कि कैकेईजी तो बड़ी क्रोधी है बड़ी लोभी हैं। तो भगवान श्रीराघवेंद्र ने कहा कि हमारी मां क्रोध में भी कितना बढ़िया बात करती है जरा इस पर भी तो ध्यान दो। भगवान राम से जब कैकेईजी ने कहा कि तुम्हें चौदह वर्ष के लिए वन जाना है तो प्रभु ने सोचा कि हमारी मां का क्रोध उसी प्रकार का है जैसे एक व्यक्ति पानी पी रहा था कि अचानक किसी ने उस पानी के पात्र को उठाकर पटक दिया। यद्यपि देखकर तो लगा कि वह व्यक्ति कितना क्रोधी है, जो कि दूसरे को पानी नहीं पीने दे रहा है। पर अगर पानी का बर्तन छीनकर वह व्यक्ति क्रोध में यह कहने लगे कि पानी नहीं, तुम्हें तो दूध पीना पड़ेगा तो हम उसके क्रोध को क्या कहें, जो पानी का बर्तन छीनकर दूध पिलाये। प्रभु ने कहा - मां तुम्हारा क्रोध भी ऐसा ही निकला क्योंकि लोगों को तो यही दिखाई दे रहा है कि तुमने मुझसे राज्य छीन लिया पर मुझे वनवास देकर तुमने मुनियों के संग का जो अमृत पिला दिया, इसकी ओर लोगों की दृष्टि क्यों नहीं जाती है ? वस्तुत: तुमने तो मुझसे छोटी वस्तु छीनकर बड़ा वस्तु दे दिया है -

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

किसी के नियम से किसी को परेशानी न हो तो अच्छा है

किसी परिवार,किसी समाज,किसी संप्रदाय और किसी देश के कानून एक व्यवस्था के लिए बनाए जाते हैं,उसका मकसद किसी को परेशान नहीं करना होता है।लेकिन दूसरों को किसी के नियम से परेशानी तो हो सकती है जब वह अपने दायरे से बाहर लागू करने का प्रयास किया जाता है। हर नियम कानून का एक दायरा होता है।जहां उसको जानने वाले होते हैं, मानने वाले होते हैं,वहां किसी को कोई परेशानी नहीं होती है।लेकिन जब भी किसी नियम को दायरे के बाहर जहां उसको जानने वाले,मानने वाले नहीं होते हैं,लागू कराने का प्रयास होता है तो वहां के लोगों को परेशानी होना स्वाभाविक है,यह मानना स्वाभाविक है कि हमारे साथ अपने नियम के अनुसार यह जो व्यवहार किया गया वह तो हमारे नियम कानून के हिसाब से उचित नहीं है।किसी संप्रदाय के नियम कितने साल सौ साल भी पुराने हों, पुराने होने के कारण वह सभी के लिए पालन योग्य नहीं हो जाते हैं। कितने भी पुराने होने के बावजूद उनका पालन वहीं किया और कराया जाना चाहिए जहां उनके पालन करने या कराने से किसी को परेशानी नहीं होती है।

स्वामीनारायण संप्रदाय के संतों ने अपने नियम को पेरिस के एफिल टॉवर में लागू करने का प्रयास किया।फ्रांस में संप्रदाय के मंदिर के उद्घाटन पर संप्रदाय के संत वहां पहुंचे थे। उद्घाटन के बाद इनकी इच्छा एफिल टॉवर देखने की हुई और उन्होने एफिल टॉवर को संचालित करने वाले कंपनी से आग्रह किया उनके एफिल टावर देखने के दौरान टॉवर में महिलाएं न हों।हालांकि संतों ने किसी को अपमान करने,किसी को परेशान करने के लिए ऐसा नहीं किया लेकिन फ्रांस में महिलाओं से संबंधित दूसरे नियम होने के कारण इसे लिंगभेद माना गया और विरोध में एफिल टॉवर के 137 साल के इतिहास में पहली बार एफिल टॉवर बंद रहा।टॉवर को संचालित करने वाली कंपनी कंपनी ने माना कि संतों ने महिलाओं से संपर्क सीमित करने का अनुरोध किया था।यह बात नहीं मानी जानी थी।मान ली गई और जो विवाद कभी नहीं हुआ वह हो गया।

इस घटनाक्रम के बाद फ्रांस के साथ ही भारत में धार्मिक स्वतंत्रता,सांस्कृतिक सम्मान, लैंगिक समानता को लेकर बहस शुरू हो गई है।स्वामीनारायण संप्रदाय के संतों के लिए महिला से दूरी रखने के नियम 200 साल से भी पुराना है लेकिन आज तक इस तरह की घटना कभी नहीं हुई जैसी घटना फ्रास के पेरिस में हुई।

बताया जाता है कि भगवान स्वामीनारायण ने 19 वीं सदी की शुरुआत में अपने संतों के लिए कुछ नियम बनाए थे।इसमें संतों के लिए जो ब्रम्हचर्य के लिए जो नियम बनाए गए थे,वह बहुत ही कड़े थे।उन्हें अष्ट प्रकार का ब्रम्हचर्य कहा जाता है।यह संतों के लिए अलग है और गृहस्थ भक्तों के लिए अलग है।संतों के लिए स्मरण का नियम है कि वह स्त्री का मानसिक रूप से स्मरण नहीं कर सकते,कीर्तन यानी स्त्री के रूप,सुंदरता,गुणों की चर्चा नहीं कर सकते,केली यानी स्त्री के साथ किसी प्रकार का आमोद प्रमोद नही कर सकते,प्रेक्षण यानी स्त्री को कामुक दृष्टि या ध्यान से नहीं देख सकते,गुह्य भाषण यानी एकांत में स्त्री से बात नहीं कर सकते,संकल्प यानी मन से भी कभी स्त्री संग का विचार या संकल्प नहीं कर सकते,अध्यवसाय यानी स्त्री सुख प्राप्त करने का निश्चय नहीं कर सकते,क्रिया निष्पत्ति यानी शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार का संभोग नहीं कर सकते।विशेष नियम है कि संत किसी स्त्री को छू नहीं सकते,यहां तक कि अपनी मां या बहन को भी।सभा में स्त्री व पुरुष के बैठने की अलग व्यवस्था होती है। संप्रदाय के इन नियमों का मकसद लैंगिक भेद नहीं था। भगवान स्वामी नारायण के ग्रंथ शिक्षापत्री व वचनामृत के अनुसार ब्रम्हचर्य के पालन से ऊर्जा उर्ध्वगामी होती है। बुध्दि तीव्र होती है,आत्मसाक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त होता है।भगवान की भक्ति में आसानी होती है।

फ्रांस में विवाद बढने के बाद पेरिस स्थित बीएपीएस मंदिर ने घटना के लिए माफी मांगी है और कहा है कि महिलाओं से दूरा का यह नियम महिलाओ को कमतर मानने के लिए नहीं है।यह तो आध्यात्मिक अनुशासन के लिए है।बीएपीएस के दुनिया भर में 1300 से अधिक मंदिर हैं और 10 लाख से ज्यादा अनुयायी हैं तो उनको भविष्य मे इस तरह के विवाद से बचने के लिए भी नियम बनाने होंगे जैसे मंदिर के मंदिर जाने की जगह अगर वह ऐसी जगह न जाएं जहां महिलाएं हो या फिर अपने पुराने नियमों को बदल कर संतों को भीतर से इतने मजबूत बनाएं कि महिलाओं के बीच वह सहज,सरल रह सकें। महिला को महिला होने नाते सम्मान कर सकें।पेरिस में हुई घटना के बाद से संस्था को तो पिछड़ी सोच का माना ही जाएगा,हिंदू धर्म विरोधियों को भी हिंदू धर्म का मजाक करने का मौका मिलेगा।

प्लाईवुड फैक्ट्री की आड़ में नकली पनीर बन रहा था, 650 किलो जब्त

रायपुर। रायपुर में एक बार फिर प्रतिबंधित नकली पनीर (एनालॉग) बनाने का मामला सामने आया है। बीरगांव में प्लाईवुड फैक्ट्री की आड़ में नकली पनीर बनाई जा रही थी। यहां से पनीर तैयार कर 650 किलो की खेप ओडिशा भेजी जा रही थी, जिसे मुखबिर की सूचना पर फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम ने जोरा मल के पास पकड़ लिया।

विभाग ने जब्त पनीर का सैंपल जांच के लिए लैब भेजा है। अधिकारियों के मुताबिक एक-दो के भीतर रिपोर्ट जाएगी, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बीरगांव में पंछी डोर्स एंड प्लाईवुड फैक्ट्री संचालित है। इसी फैक्ट्री के भीतर अंशु बंसल नामक व्यक्ति द्वारा सांवरिया सेठ मिल्क एंड प्रोडक्ट के नाम से पनीर तैयार किया जा रहा था।

मंगलवार शाम करीब 7 बजे इसी फैक्ट्री से तैयार 650 किलो पनीर पिकअप वाहन में भरकर ओडिशा भेजा जा रहा था। फैक्ट्री से पनीर निकलते ही मुखबिर ने इसकी सूचना फूड एंड सेफ्टी विभाग के अफसरों को दी। इसके बाद विभाग ने आनन-फानन में टीम तैयार की। टीम ने जोरा मॉल के पास पिकअप को रोका। जांच के दौरान पिकअप से पनीर की खेप मिली। टीम ने ड्राइवर से दस्तावेज के बारे में जानकारी मांगी, जो नहीं थी। विभाग अब फैक्ट्री में पनीर निर्माण की प्रक्रिया और इससे जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रहा है।

राजधानी में फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम ने नकली पनीर के मामले में पिछले एक महीने में पांच कार्रवाई की गई है। इनमें तीन मामलों की जांच रिपोर्ट विभाग को मिल चुकी है। दो मामलों में पनीर अमानक पाया गया, जबकि एक मामले में पनीर मानक के अनुरूप मिला है। दो मामलों की जांच रिपोर्ट अभी तक विभाग को नहीं मिली है। जिन मामलों में पनीर अमानक पाया गया, उनमें विभाग प्रकरण तैयार कर कोर्ट में प्रस्तुत करने की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर को प्रतिबंधित करने की घोषणा 31 जुलाई को राजपत्र में प्रकाशित हुई।

4 अगस्त: रायपुर रेलवे स्टेशन के पास प्रियांशु राय से 100 किलो एनालाग पनीर जब्त किया था। इसे अंबिकापुर भेजने की तैयारी थी। जब्त पनीर की जांच कराई गई, जो अमानक निकली।

5 अगस्त: विभाग ने तिल्दा स्थित डेयरी एक का औचक निरीक्षण किया। यहां तैयार किए जा रहे पनीर का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया। लैब रिपोर्ट में पनीर अमानक पाया गया।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

बीज निगम के रिटायर्ड अधिकारी से साइबर ठगी

रायपुर। रायपुर के राजेंद्र नगर इलाके में बीज निगम के रिटायर्ड अधिकारी से साइबर ठगी का मामला सामने आया है। अमलीडीह, पवन विहार कॉलोनी के राजकुमार शुक्ल को एक व्यक्ति ने फोन किया। उसने खुद को पंजाब नेशनल बैंक का सीनियर मैनेजर बताया। आरोपी ने पीड़ित से कहा कि उनका **PNB** रिटायर्ड कार्ड बनाया जाना है। इसके बाद बैंक की प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर एक मोबाइल ऐप डाउनलोड करने को कहा। आरोपी की बातों पर भरोसा कर राजकुमार ने बताए गए तरीके से **HRMC** ऐप डाउनलोड कर लिया। इसके बाद आरोपी ने उनसे बैंक खाते से जुड़ी जानकारी और ओटीपी हासिल कर लिया। कुछ ही देर में पीड़ित के खाते से ऑनलाइन तरीके से कुल 1 लाख रुपए निकाल लिए गए। ठगी का पता चलने के बाद राजकुमार शुक्ल ने राजेंद्र नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पोला तिहार की धूम, रामसागर पारा-डुंडा में बैल दौड़...

हिंदू संगठन समेत समितियों ने कराए आयोजन; कांग्रेस नेता ने दौड़ाए बैल, प्रतिभागियों का किया सम्मान

रायपुर। राजधानी में पोला तिहार के मौके पर शहर और आसपास के इलाकों में पारंपरिक उत्सव की रौनक देखने को मिली। रायपुर के ऐतिहासिक रामसागर पारा मेन रोड में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के संरक्षण में छत्तीसगढ़ पारंपरिक पोरा तिहार उत्सव समिति और क्षेत्रवासियों ने आयोजन किया।

वहीं डुंडा में छत्तीसगढ़ बजरंग दल की ओर से बैल दौड़ कराई गई। दोनों जगह बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, युवा और बच्चे पहुंचे। बैलों की सजावट और दौड़ के बीच पोला की पुरानी परंपराओं की झलक देखने को मिली।

पोला तिहार खेती-किसानी और पशुधन से जुड़ा लोकपर्व है। इस दिन बैलों को नहलाकर सजाया जाता है और पूजा कर खेती में उनके योगदान के प्रति आभार जताया जाता है। रायपुर में हुए आयोजनों में इसी परंपरा को बैल दौड़ और अन्य पारंपरिक गतिविधियों के जरिए आगे बढ़ाया गया।

रामसागर पारा में विकास उपाध्याय ने दौड़ाए बैल

रामसागर पारा में आयोजित कार्यक्रम में भव्य बैल दौड़ के साथ नांदिया बैला चलई और जांता चलई का प्रदर्शन हुआ।

कई अन्य प्रतियोगिताएं भी कराई गई। बैल दौड़ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले को 6,100 रुपए, प्रथम को 5,100 रुपए, द्वितीय को 4,100 रुपए और तृतीय स्थान पर रहने वाले को 3,100 रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। सभी बैल जोड़ियों को सांत्वना पुरस्कार भी मिला।

डुंडा में बजरंग दल ने कराई बैल दौड़

डुंडा में छत्तीसगढ़ बजरंग दल की ओर से बैल दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें शामिल सभी प्रतिभागियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में संगठन के प्रांत सह संयोजक विजेंद्र वर्मा, रायपुर जिला अध्यक्ष योगेश सैनी समेत डुंडा के वरिष्ठ नागरिक, ग्रामीण, युवा और बच्चे मौजूद रहे।

अब सीधे शाला प्रमुखों से लिया जा रहा है हिसाबः स्कूलों को हर साल 20 से 70 हजार मिल रहे, अब खर्च की होगी जांच

रायपुर। सरकारी स्कूलों को हर साल छोटी-छोटी जरूरतों के लिए मिलने वाली 20 से 70 हजार तक की राशि का पहली बार बच्चों की जरूरत के नजरिए से हिसाब लिया जा रहा है। विकासखंड स्तर पर प्राचार्य और हेडमास्टरों को बुलाकर रिकॉर्ड मंगाए जा रहे हैं।

देखा जा रहा है कि स्कूल को मिली राशि खर्च हुई या नहीं और अगर खर्च हुई तो क्या उसका इस्तेमाल तय मद में हुआ और बच्चों की जरूरतों पर उसका उपयोग हुआ या नहीं। अब तक स्कूलों के खर्च का हिसाब मुख्य रूप से विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) स्तर से रिपोर्ट मंगाकर उसी के आधार पर ऑडिट कर लिया जाता था।

इस बार व्यवस्था में बदलाव किया गया है। शाला प्रमुखों से सीधे रिकॉर्ड लेकर खर्च की पड़ताल की जा रही है। अफसरों के अनुसार इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि स्कूलों को मिलने वाली राशि सिर्फ कागजों में खर्च दिखाई गई या उसका वास्तविक उपयोग स्कूल और बच्चों की जरूरतें पूरी करने में हुआ।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों को हर साल छोटे-मोटे खर्चों के लिए निर्धारित बजट दिया जाता है। यह राशि स्कूल में दर्ज बच्चों की संख्या के आधार पर तय होती है। दर्ज संख्या ज्यादा होने पर राशि भी ज्यादा मिलती है। स्कूलों को यह राशि 20 हजार से 70 हजार रुपए तक मिलती है। सर्व शिक्षा अभियान की गाइडलाइन में इसके उपयोग के लिए अलग-अलग मद तय हैं। इनमें स्टेशनरी, रजिस्टर, बोर्ड, वाल पेंटिंग और स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की बैठक जैसे खर्च शामिल हैं।

यानी राशि का उद्देश्य स्कूल की रोजमर्रा की छोटी जरूरतों को पूरा करना है। अब जांच का सवाल यह होगा कि जिस काम के लिए पैसा दिया गया, उस जरूरत पर पैसा लगा भी या नहीं।

नई व्यवस्था में विकासखंड स्तर पर शाला प्रमुखों से सीधे खर्च का रिकॉर्ड लिया जा रहा है। प्राचार्य और हेडमास्टरों को बीईओ कार्यालय बुलाकर उनसे राशि के इस्तेमाल की जानकारी ली जा रही है।

रायपुर में 229 विद्यार्थियों को मिला कैरियर गाइडेंस

रायपुर। रायपुर जिले के विद्यार्थियों को कैरियर से जुड़ी सही जानकारी देने के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र की ओर से मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपसंचालक रोजगार पुष्पा चौधरी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरकेरा, अभनपुर और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसदा, सोंढ के कुल 229 विद्यार्थियों को व्यावसायिक और कैरियर संबंधी जानकारी दी।

मार्गदर्शन सत्र में विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और स्किल्स पहचानने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया कि इनका आकलन करने के बाद अपनी योग्यता के अनुसार कैरियर विकल्प चुनना आसान होता है। विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार और व्यावसायिक अवसरों, उनके लिए जरूरी शैक्षणिक योग्यता और आगे की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

स्किल डेवलपमेंट पर भी दिया जोर

विद्यार्थियों को समझाया गया कि समय रहते अपनी रुचि और क्षमता पहचानकर कैरियर का चुनाव करने से लक्ष्य की तैयारी बेहतर तरीके से की जा सकती है। इसके साथ ही स्किल डेवलपमेंट पर भी चर्चा की गई।

पहली बार कार्रवाई की डिजिटल ट्रैकिंग, तिमाही जवाबदेही भीः प्रतिबंधित प्लास्टिक पर ऑनलाइन पहरा, एप पर दर्ज होगा हर उल्लंघन

रायपुर। प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक और 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले कैरी बैग के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए अब कार्रवाई का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन रखा जाएगा। यानी प्रतिबंधित प्लास्टिक बेचते या इस्तेमाल करते कोई पकड़ा गया या उसके खिलाफ शिकायत आई तो जांच और कार्रवाई की जानकारी वेब पोर्टल और मोबाइल एप पर दर्ज होगी।

इससे नगरीय प्रशासन विभाग के पास दुकानदार, कारोबारी या निर्माता का रिकॉर्ड तैयार होता जाएगा। एक ही व्यक्ति या कारोबारी के यहां दोबारा प्रतिबंधित प्लास्टिक मिलने पर पिछली कार्रवाई भी सामने रहेगी और उसके आधार पर सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। जांच सिर्फ दुकानों तक सीमित नहीं रहेगी। प्रतिबंधित प्लास्टिक बनाने वाले कारखानों, थोक कारोबारियों और सप्लायरों की भी जांच होगी।

इसके लिए नगरीय प्रशासन विभाग और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमें मिलकर अभियान चलाएंगी। जरूरत पड़ने पर पुलिस भी साथ रहेगी। अभियान में जांच करने वाले अधिकारियों को 'एसयूपी बैन कंप्लायंस मॉनिटरिंग पोर्टल' पर अपना पंजीयन कराना होगा। मौके पर प्रतिबंधित प्लास्टिक मिलने पर उसकी जानकारी और की गई कार्रवाई 'एसयूपी फील्ड इंस्पेक्शन मोबाइल एप' से तुरंत ऑनलाइन दर्ज करनी होगी।

इससे विभाग को यह पता रहेगा कि किस शहर में कितनी जांच हुई, कितने मामले मिले और कितनों पर कार्रवाई हुई। लोगों की शिकायत के लिए 'एसयूपी पब्लिक ग्रिवांस मोबाइल एप' का भी प्रचार किया जाएगा। इसके जरिए मिली शिकायतों पर स्थानीय निकायों को कार्रवाई करनी होगी। हालांकि केवल ऑनलाइन रिकॉर्ड बनाने से प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद नहीं होगा। असली असर इस बात पर निर्भर करेगा कि बाजार में जांच कितनी नियमित होती है और बार-बार नियम तोड़ने वालों पर वास्तव में कितनी सख्ती होती है।

नगर निगम को अब भी मंजूरी का इंतजारः उखड़ी हुई सड़कों पर पीडब्ल्यूडी लगाएगा 35 करोड़ का मरहम

रायपुर। बारिश से खराब हुई सड़कों की मरम्मत की प्रक्रिया नगर निगम और लोक निर्माण विभाग ने शुरू कर दी है। निगम ने 36 सड़कों के लिए 21 करोड़ रुपए की मंजूरी नगरीय प्रशासन विभाग से मांगी है। स्वीकृति मिलते ही टेंडर जारी कर काम शुरू होगा।

पीडब्ल्यूडी ने एक हजार से अधिक सड़कों के पेच रिपेयर और डामरीकरण के लिए करीब 14 करोड़ रुपए की टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों विभाग करीब 35 करोड़ रुपए खर्च करेंगे। लगातार बारिश से कई सड़कों की डामर परत उखड़ने के साथ बजरी बाहर आ गई है और किनारे टूट गए हैं। अब विभागों की टीम क्षतिग्रस्त हिस्सों को चिह्नित कर रही हैं। कम खराब हिस्सों में पेच रिपेयर और ज्यादा क्षतिग्रस्त हिस्सों में डामरीकरण किया जाएगा।

गड्ढे और पशु भी बढ़ा रहे हादसे का खतरा : शहर की खराब सड़कों, गड्ढों और मुख्य मार्गों पर बैठे गाय-बैलों से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। बारिश में पानी भरने से गड्ढे दिखाई नहीं देते, जबकि रात में मवेशी अचानक सामने आ जाते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता नंदलाल साहित्य ने कलेक्टर को आवेदन देकर सड़कों और वार्डों का सर्वे, गड्ढों की मरम्मत तथा मवेशियों पर कार्रवाई की मांग की है।

बारिश थमने के बाद बिगड़े हालात

बारिश के दौरान तेलीबांधा मरीन ड्राइव के दोनों ओर, गोगांव रोड, डीआरएम कार्यालय से भनपुरी रेलवे क्रॉसिंग और पुरानी धमतरी रोड समेत कई सड़कों पर डामर निकलने से बजरी सतह पर फैल गई है। भारी वाहनों के गुजरने से सड़कें और टूट रही हैं। सड़क सूखने पर ढीली बजरी पहियों से उछलने के साथ धूल उड़ा रही है। ऐसे हिस्सों में सिर्फ गड्ढे भरने के बजाय कमजोर सतह हटाकर मजबूत लेयर डाली जाएगी।

बारिश में सड़कों का पेचवर्क और रिपेयर का काम किया जाएगा। इसके लिए शासन ने 14 करोड़ की मंजूरी दे दी है। टेंडर प्रक्रिया शुरु हो गई है। टेंडर फाइनल कर जल्द काम शुरू किया जाएगा।- **राजीव नशीने, एससी, पीडब्ल्यूडी**

गणेश चतुर्थी की धूमः 'खरोरा के राजा' श्री सिद्धिविनायक गणेशोत्सव समिति, खरोरा द्वारा भव्य गणेशोत्सव का आयोजन

खरोरा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक गणेश उत्सव समिति द्वारा गणेश चतुर्थी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। समिति द्वारा स्थापित 'खरौरा के राजा' के भव्य पंडाल में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की विशाल और नयनाभिराम प्रतिमा विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापित की जाएगी

भव्य पंडाल और आकर्षक विद्युत सज्जा: समिति द्वारा इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष थीम पर आधारित भव्य पंडाल और मनमोहक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है, जो पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

महाआरती और भोग भंडारे का वितरण: प्रतिदिन सुबह एवं संध्याकाल में विधिवत आरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भारी संख्या में भक्तजन शामिल होकर पुण्य लाभ लेते हैं।पूरे नगर में बप्पा के जयकारों की गूंज से माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है।

केंद्र से मिलने वाली सहायता राशि चिंताजनक मोड़ पर पहुंचीः

झारखंड को केंद्र से चार माह में 6000 करोड़ मिलने थे, मिले सिर्फ 134 करोड़

रांची। झारखंड को केंद्र से मिलने वाली सहायता राशि चिंताजनक मोड़ पर पहुंच गई है। चालू वित्त वर्ष में केंद्र से 18,274 करोड़ रुपए मिलने पर सहमति बनी थी। मगर चार महीने में सिर्फ 134 करोड़ रुपए ही मिले हैं।

जबकि इस चार महीने में कम से कम 6000 करोड़ रुपए मिलना चाहिए थे। पिछले 10 सालों से केंद्रीय सहायता में लगातार कटौती हो रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में 17 हजार करोड़ की जगह सिर्फ 11 हजार करोड़ रुपए ही मिले थे।

केंद्रीय सहायता राशि न मिलने का असर कई योजनाओं पर पड़ा है। मिड-डे मील, कल्याण छात्रवृत्ति, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा, स्वस्थ भारत मिशन, जल-जीवन मिशन, पुलिस आधुनिकीकरण, आपदा प्रबंधन और पारा शिक्षकों का भुगतान प्रभावित हो रहा है। इसका प्रभाव योजना खर्च पर भी पड़ा है। चार महीने में सिर्फ 18.52% राशि ही खर्च हो सकी है।

विकास के लिए केंद्रीय सहायता और केंद्र प्रायोजित योजना के तहत चलने वाली योजनाएं प्रभावित होने का एक बड़ा कारण राज्य की योजना के लिए मिलने वाले केंद्रांश और केंद्र प्रायोजित योजना की राशि का समय से नहीं मिलना भी है।

पैसे न मिलने से ये योजनाएं प्रभावित

स्वास्थ्य विभाग : स्वास्थ्य विभाग के लिए केंद्रीय सहायता और केंद्र प्रायोजित योजना के लिए 2000 करोड़ रुपए देने पर सहमति बनी थी, लेकिन अब तक 90 करोड़ रुपए ही मिले हैं। इससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और स्वास्थ्य बीमा योजना प्रभावित हो रही है।

ग्रामीण कार्य विभाग : ग्रामीण कार्य विभाग के लिए 900 करोड़ केंद्र से मिलना है। इसमें से अब तक 20 करोड रुपए ही मिले हैं। इससे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना समेत कई योजना प्रभावित है।

कल्याण विभाग : कल्याण विभाग के लिए 1200 करोड़ रुपए केंद्र से मिलना है। इसमें से अब तक 30 करोड़ करोड़ रुपए ही मिले है। इससे बिरसा योजना प्रभावित है। जा रही है।

शिक्षा विभाग : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के लिए 2300 करोड की जगह 50 करोड़ रुपए भी नहीं मिले। इससे पोशाक, मिड-डे मिल का काम प्रभावित हो रहा है।

पेयजल स्वच्छता विभाग : पेयजल स्वच्छता विभाग में जल जीवन मिशन शहरी और ग्रामीण के लिए केंद्र से 1400 करोड़ रुपए मिलने हैं। अब तक कुछ नहीं मिला है।

नियंत्रित राजकोषीय घाटा अनियंत्रित हो सकता है

राज्य सरकार को प्रतिमाह अपने प्रतिबद्ध दायित्वों (वेतन,पेंशन एवं ब्याज) के भुगतान में लगभग 3000 करोड़ खर्च करना पड़ता है। इसमें कार्यालय व अन्य खर्च जोड़ें तो करीब 3500 करोड़ होता है। भारत सरकार से सहायता अनुदान समय पर न मिलने से केंद्र प्रायोजित योजना पर राज्य सरकार को अपने संसाधनों से खर्च करना पड़ता है। - **सत्यनारायण प्रसाद, पूर्व उप निदेशक बजट**

मनरेगा ,वृद्धा पेंशन, मिड-डे मील, शहरी/ग्रामीण जलापूर्ति योजना जैसे अन्य फ्लैगशिप स्कीम, जो सामान्य जन के रोजमर्रा से सम्बद्ध होता है, राज्य सरकार को केन्द्रांश की प्राप्ति की प्रत्याशा में व्यय करना पड़ता है। यदि ऐसी ही स्थिति बनी रही तो राज्य सरकार को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ माह और यही स्थिति रही तो राज्य का राजकोषीय घाटा भी, जो कुछ वर्षों से लगातार नियंत्रित रहा है, अनियंत्रित हो सकता है।

पानी टंकी हादसा: 24 घंटे बाद भी न विभागीय कार्रवाई न ही एफआईआर, विभाग को है जांच रिपोर्ट का इंतजार

रांची। जिला स्कूल परिसर में पानी की टंकी गिरने से हुए हादसे के 24 घंटे बाद भी न तो कोई विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित हो पाई है और न ही किसी की ओर से प्राथमिकी दर्ज हुई है। हादसे के दूसरे दिन भी निर्माण एजेंसी मां कृपा डेवलपर्स के संचालक का मोबाइल फोन लगातार बंद रहा। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस गंभीर हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है और मृत दो मजदूरों के परिजनों को मुआवजा मिलेगा या नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है।

बुधवार शाम हुए हादसे में पलामू जिले के पड़वा मोड़ के पास रहने वाले मजदूर सत्या भुइयां (25) और मैथिली शरण महतो (42) की मौके पर ही मौत हो गई थी। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने घटना को गंभीरता से लिया है, लेकिन फिलहाल विभाग जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। रांची अर्बन के अधीक्षण अभियंता विजय एडविन ने बूटी प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार से घटना की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

विभाग का कहना है कि रिपोर्ट मिलने के बाद पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी। इसमें जो भी व्यक्ति या निर्माण एजेंसी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुकूल सख्त कार्रवाई होगी।

परिजन के आवेदन का इंतजार, फिर होगी एफआईआर : कोतवाली पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात 8:30 बजे तक थाने में किसी ने लिखित शिकायत नहीं दी थी। पुलिस मृतकों के परिजनों से लगातार संपर्क में है। परिजनों ने थाना पहुंचकर लिखित आवेदन देने की बात कही है। पुलिस का कहना है कि आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

22 अगस्त को दिए थे सुरक्षा के निर्देश, फिर भी हादसा

सवाल यह है कि जब विभाग ने 22 अगस्त को ही संबंधित एजेंसी को पत्र भेजकर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया था, इसके बावजूद लापरवाही कैसे हुई। एजेंसी को कोतवाली थाना और स्कूल प्रशासन से समन्वय कर काम करने तथा 150 फीट के दायरे में चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते दो मजदूरों की जान चली गई।

झारखंड के 8 जिलों में भारी बारिश की संभावना: गर्जन-वज्रपात के साथ तेज हवा चलने के आसार

रांची। बंगाल की खाड़ी में बने नए सिस्टम के प्रभाव से झारखंड में 11 सितंबर को कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को राज्य में कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की संभावना है।वहीं, पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में कहीं-कहीं पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने भारी बारिश, गर्जन, वज्रपात और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है।

लोगों को गर्जन के दौरान पेड़ों के नीचे न जाने, खेतों में काम से बचने, जलभराव वाले क्षेत्रों और कच्चे मकानों से दूर रहने तथा बिजली के उपकरणों का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे हुए बांग्लादेश में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन 7.6 किमी तक फैल रहा है। इसके प्रभाव से उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे हुए क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

जेएसएससीः सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का दिया था आदेश, अब 7 दिन बचे

रांची। झारखंड पुलिस सिपाही भर्ती-2015 में नियुक्ति का इंतजार कर रहे सफल अभ्यर्थियों के सामने अब सुप्रीम कोर्ट की चार सप्ताह की डेडलाइन और बचा हुआ करीब एक सप्ताह अहम हो गया है। 21 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद करीब तीन सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया कहां तक पहुंची, इसकी जानकारी अभ्यर्थियों को नहीं मिल रही थी।

गुरुवार को अभ्यर्थी जानकारी लेने जेएसएससी कार्यालय नामकुम पहुंचे थे। जेएसएससी द्वारा अभ्यर्थियों को बताया गया कि नियुक्ति से संबंधित फाइलें आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस मुख्यालय भेज दी गई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय समय-सीमा अब अंतिम चरण में है। शुक्रवार को अभ्यर्थी पुलिस महानिदेशक को आवेदन देकर प्रक्रिया में तेजी लाने की ओर ध्यान आकृष्ट कराएंगे।

जेएसएससी ने वर्ष 2015 में 7,272 आरक्षी पदों के लिए भर्ती निकाली थी। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी 2,380 पद रिक्त रह गए। अभ्यर्थियों का तर्क था कि वे चयन प्रक्रिया में सफल रहे, लेकिन रिक्त पद होने के बावजूद उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई और दूसरी मेधा सूची जारी नहीं की गई। इसी को लेकर अभ्यर्थियों ने पहले हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां से अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला आया। पुलिस मुख्यालय पर टिकीं हैं अभ्यर्थियों की नजरें

जेएसएससी कार्यालय द्वारा अभ्यर्थियों को बताया गया कि नियुक्ति से संबंधित संचिका पुलिस मुख्यालय को भेज दी गई हैं। यानी अब नियुक्ति की अगली कार्यवाही पुलिस मुख्यालय के स्तर पर होनी है। इसलिए अब अभ्यर्थियों नजरें अब पुलिस मुख्यालय पर टिकीं हैं। अभ्यर्थियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने और नियुक्ति पत्र जारी करने और डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन औपचारिकताएं पूरी करने का आदेश दिया था।

गावां सीओ के कथित दुर्व्यवहार पर मुखिया संघ का धरनाः सार्वजनिक माफी की मांग पर अड़े जनप्रतिनिधि

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के गावां प्रखंड में अंचल अधिकारी (सीओ) के कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ मुखिया संघ ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। यह धरना गुरुवार से प्रखंड मुख्यालय परिसर में चल रहा है। इसमें गावां प्रखंड की कई पंचायतों के मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हैं। वे सीओ से सार्वजनिक माफी की मांग कर रहे हैं।

मुखिया संघ के मुताबिक, यह मामला बिरने पंचायत के मुखिया चंदन कुमार यादव और अंचल अधिकारी अभिषेक कुमार के बीच बातचीत के दौरान सामने आया। संघ का आरोप है कि किसी प्रशासनिक काम को लेकर बात करते समय सीओ ने मुखिया के साथ 'तुम-तड़ाक' की भाषा का इस्तेमाल किया और अभद्र तरीके से बात की।

जनप्रतिनिधियों का कहना है कि चुने हुए प्रतिनिधि के साथ ऐसा व्यवहार गलत है। यह जनप्रतिनिधियों के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद गावां मुखिया संघ के सदस्यों में गुस्सा फैल गया। इसके बाद संघ ने प्रखंड मुख्यालय परिसर में धरना शुरू करने का फैसला किया।

धरनास्थल पर मौजूद जनप्रतिनिधियों ने बताया कि मुखिया जनता द्वारा चुने जाते हैं। वे पंचायत स्तर पर ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं। इसलिए अधिकारियों से सम्मानजनक व्यवहार की उम्मीद की जाती है।

मुखिया संघ के अध्यक्ष और अन्य प्रतिनिधियों ने साफ कहा कि जब तक अंचल अधिकारी सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। संघ ने बताया कि यह धरना किसी निजी विवाद के लिए नहीं, बल्कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों के सम्मान से जुड़ा है।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यदि प्रशासन की ओर से उनकी मांग पर सकारात्मक पहल नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जा सकता है। धरना-प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधियों के जुटने से प्रखंड मुख्यालय परिसर में गहमागहमी का माहौल बना रहा।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज 6ठे चंद्रमा का प्रभाव आपको आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की सलाह दे रहा है। यदि नया कर्ज या उधारी लेने की योजना बना रहे हैं तो पहले पूरी तरह सोच-विचार कर ठोस प्लानिंग करें। जल्दबाजी में लिया गया आर्थिक निर्णय आगे परेशानी बढ़ा सकता है। हालांकि शुभ ग्रहयोग के कारण पैसों से जुड़ी किसी समस्या का समाधान मिलने की संभावना है।

वृषभ। आज कार्यक्षेत्र में अपनी वाणी पर विशेष संयम रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी सहकर्मी या अधिकारी से बातचीत करते समय जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें। आपके व्यवहार में विनम्रता रहेगी तो सहयोग भी आसानी से प्राप्त होगा। सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को पूरा करने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन। आज व्यापार और आर्थिक मामलों में अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। किसी पुराने निवेश, ग्राहक या संपर्क से अप्रत्याशित फायदा मिल सकता है। कारोबार से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अपने अनुभव का उपयोग करें और किसी भी प्रस्ताव की पूरी जानकारी लेने के बाद ही आगे बढ़ें। लंबे समय से चली आ रही किसी स्वास्थ्य समस्या में राहत मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क। आज परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को शांति और भावनात्मक संतुलन प्राप्त होगा। घर के किसी महत्वपूर्ण विषय पर परिवार के सदस्यों के साथ चर्चा हो सकती है और सभी का सहयोग मिलेगा। हालांकि आर्थिक मामलों में आज विशेष सावधानी रखना जरूरी है। बड़े निवेश या जोखिम भरे सौदे करने से बचें। यदि कोई महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लेना आवश्यक हो तो विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और आप अपने काम को पूरे उत्साह के साथ पूरा करने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों या प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ने के संकेत हैं, जिससे भविष्य में लाभ मिल सकता है। मान-सम्मान में वृद्धि होने की संभावना है। पुराने मित्र से अचानक मुलाकात मन को प्रसन्न कर सकती है और पुरानी यादें ताजा होंगी।

कन्या। आज आपको खर्चों पर नियंत्रण रखने की विशेष आवश्यकता है। छोटी-छोटी चीजों पर होने वाला अतिरिक्त खर्च बजट बिगाड़ सकता है। कानूनी, सरकारी या कागजी मामलों में पूरी सतर्कता बरतें और किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले उसकी सभी शर्तें ध्यान से पढ़ें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी व्यवस्थित कार्यशैली आपको सफलता दिलाएगी। व्यापार में पुराने सौदे को लेकर कोई महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है।

तुला। आज लव लाइफ में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी या प्रिय व्यक्ति के साथ संबंध मजबूत होंगे। पुरानी गलतफहमियां बातचीत के माध्यम से दूर हो सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और आय के नए अवसर सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा को पहचान मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को कोई नई जिम्मेदारी या महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिल सकता है।

वृश्चिक। आज विरोधियों का प्रभाव कम होगा और कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में परिस्थितियां बन सकती हैं। लंबे समय से चल रही किसी परेशानी का समाधान मिलने की संभावना है। काम में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी की सराहना होगी। अधिकारियों से सहयोग प्राप्त हो सकता है। यात्रा के योग बन रहे हैं और यह यात्रा काम से जुड़ी या परिवार के साथ हो सकती है। व्यापार में कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले पूरी जानकारी जुटा लें।

धनु। आज आय के नए स्रोत सामने आने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का लाभ मिल सकता है और अतिरिक्त आमदनी का कोई अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापारियों को नए ग्राहक या नए काम का प्रस्ताव मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए बनाई गई योजनाएं धीरे-धीरे सफल होंगी। हालांकि स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। लगातार काम करने से थकान, कमजोरी या तनाव महसूस हो सकता है, इसलिए पर्याप्त आराम लें। यात्रा के दौरान अपनी दिनचर्या और खान-पान का ध्यान रखें।

मकर। आज कामकाज में व्यस्तता बढ़ सकती है। एक साथ कई जिम्मेदारियां मिलने के कारण दिनभर भागदौड़ रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत और अनुशासन से अधिकांश कार्य समय पर पूरे हो जाएंगे। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी आपको मिल सकती है। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से प्रभावित होंगे। परिवार का पूरा सहयोग मिलने से मानसिक दबाव कम होगा। जीवनसाथी के साथ किसी जरूरी विषय पर चर्चा हो सकती है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन बड़े खर्च से पहले बजट जरूर बनाएं।

कुंभ। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में अधिक लगेगा। किसी नई योजना, लेखन, कला या तकनीकी कार्य में आपकी प्रतिभा सामने आ सकती है। कार्यक्षेत्र में नए विचारों को अपनाने से सफलता मिलने की संभावना है। धन लाभ के योग बन रहे हैं और आय का कोई अतिरिक्त साधन सामने आ सकता है। व्यापार में रुका हुआ भुगतान मिलने की संभावना है। हालांकि प्राप्त धन का पूरा हिस्सा खर्च करने के बजाय कुछ बचत करना समझदारी होगी। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा।

मीन। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा और सकारात्मक सोच के कारण आप कई काम आसानी से पूरे कर पाएंगे। दांपत्य जीवन में सुख, शांति और आपसी समझ बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ किसी महत्वपूर्ण योजना पर चर्चा हो सकती है। परिवार में भी सहयोग और प्रेम का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापारियों को किसी पुराने ग्राहक से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी, फिर भी अनावश्यक खर्चों से बचना उचित होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने से सफलता मिलेगी।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	9				6	1		
7	1			9			2	8
		8					4	9
	6		2	5				1
5				6	9		7	
1	2					8		
9	8			4			5	2
		5	6				1	

पिछले अंक का उत्तर

3	1	5	8	2	7	9	4	6
4	6	8	9	1	5	7	3	2
7	2	9	3	4	6	5	1	8
9	4	6	5	3	8	1	2	7
5	7	1	6	9	2	4	8	3
8	3	2	1	7	4	6	9	5
6	9	3	2	5	1	8	7	4
2	5	7	4	8	9	3	6	1
1	8	4	7	6	3	2	5	9

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

9 सूत्री मांगों को लेकर आदिवासी छात्रावास बच्चों ने उठाए सवाल

दुमका। आदिवासी कल्याण छात्रावास संख्या 5 के परिसर में गुरुवार को छात्र-छात्राओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर छात्रावासों की व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन पर बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी का आरोप लगाया। छात्रों के अनुसार लंबे समय से छात्रावासों में आवश्यक सुविधाओं का अभाव है, लेकिन सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए।

इनमें सत्र 2024-25 और 2025-26 की लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान, जर्जर छात्रावासों की मरम्मत, सभी छात्रावासों में रसोइया और नाइट गार्ड की बहाली, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था, नए छात्रावासों का निर्माण, तथा कुर्सी, टेबल और बेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। छात्राओं के लिए अलग पीजी और यूजी छात्रावास बनाने की मांग भी रखी गई। छात्र नेताओं ने मुख्यमंत्री और कल्याण मंत्री चमरा लिंडा तथा जिला कल्याण पदाधिकारी को 20 सितंबर तक मांगें पूरी करने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर 21 सितंबर को संथाल परगना के सभी जिला मुख्यालयों में तालाबंदी की जाएगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 19-0 से हराया: जूनियर एशिया कप में सबसे बड़ी जीत, पूजा की हैट्रिक

मोक्वी, चीन। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान पर 19 गोल मारकर रिकॉर्ड जीत दर्ज की। पाकिस्तानी टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। यह महिला जूनियर हॉकी में भारत की सबसे बड़ी जीत है।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने गुरुवार को जूनियर एशिया कप के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने पहले हाफ में 10 और दूसरे हाफ में 9 गोल किए।

भारत की पूजा मलिक ने हैट्रिक लगाई। सानिका चंद्रकांत माने, मधु सिदार और सुप्रिया ने 2-2 गोल किए। रोशनी ऐंद ने भी 2 गोल किए।

भारत ने पहले ही क्वार्टर में 5 गोल कर दिए थे। पूजा साहू ने 7वें मिनट में खाता खोला, रोशनी ऐंद ने 9वें, तनुश्री दिनेश कडू ने 11वें, सुखवीर कौर ने 13वें और सानिका माने ने 13वें मिनट में गोल किया।

दूसरे क्वार्टर में मधु सिदार, गीता यादव, सानिका माने, तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल किए। इससे हाफ टाइम तक भारत 10-0 से आगे था।

पूर्णिमा यादव, मधु सिदार और सुप्रिया ने तीसरे क्वार्टर में गोल किए। आखिरी क्वार्टर में कृष्णा शर्मा, पूजा मलिक, सुप्रिया, बिनीमा धन और रोशनी ऐंद ने गोल दागे। पूजा मलिक ने 49वें और 51वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। रोशनी ने 60वें मिनट में भारत का 19वां गोल किया।

भारत को 18 पेनल्टी कॉर्नर मिले

भारत ने पूरे मैच में 18 पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया। पाकिस्तान को पूरे मैच में न गोल मिला, न पेनल्टी कॉर्नर और न ही पेनल्टी स्ट्रोक।

भारत ने क्वार्टर फाइनल से पहले ग्रुप स्टेज में भी शानदार प्रदर्शन किया था। टीम ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया को हराकर अपने ग्रुप में टॉप किया था। टूर्नामेंट में चीन के खिलाफ भारत का पिछला मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा था।

भारत अब सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेगा। सेमीफाइनल 12 सितंबर को होगा।

क्या इससे पहले पाकिस्तान से खेली है भारतीय जूनियर टीम?

भारत और पाकिस्तान की जूनियर महिला टीमें गुरुवार को पहली बार आमने-सामने थी। जूनियर एशिया कप के 2023 और 2024 एडीशन में भारत चैंपियन रहा, जबकि 2021 का टूर्नामेंट कोविड के कारण रद्द हो गया था।

भारत के गोल

	खिलाड़ी	गोल का समय
1	पूजा साहू	7वां मिनट
2	रजनी बेद	9वां, 60वां मिनट
3	नवनीत दीरश कू	11वां मिनट
4	सुखबीर कौर	13वां मिनट
5	सविता चुकां माने	13वां, 23वां मिनट
6	मधु सिंदर	16वां, 39वां मिनट
7	गीता यादव	18वां मिनट
8	तनुजा टोप्पो	25वां मिनट
9	पूजा मलिक	27वां, 49वां, 51वां मिनट
10	पूर्णिमा यादव	33वां मिनट
11	सुप्रिया	40वां, 54वां मिनट
12	कृष्णा शर्मा	48वां मिनट
13	विनिमा धन	55वां मिनट

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 700 अंक गिरकर 74,200 पर आया: निफ्टी भी 250 अंक गिरा; यह 23,250 पर कारोबार कर रहा

शेयर बाजार में आज यानी 11 सितंबर को भारी गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 700 अंक टूटकर 74,200 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी में भी करीब 250 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 23,250 के आसपास कारोबार करता नजर आया। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों का असर घरेलू बाजार की धारणा पर भी पड़ा है। निवेशकों में सतर्कता बढ़ने से बिकवाली का दबाव दिखाई दे रहा है।

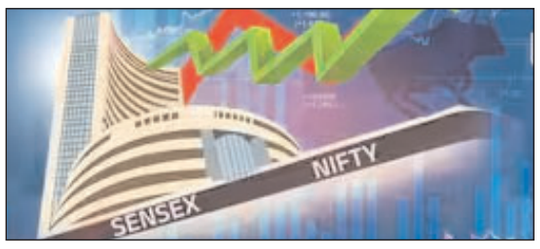

भारतीय बाजार के साथ एशियाई शेयर बाजारों में भी कमजोरी रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 179 अंक यानी 2.73% गिरकर 6,855 पर पहुंच गया। जापान का निक्केई 1,802 अंक यानी 2.76% टूटकर 63,469 के स्तर पर रहा। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग भी 242 अंक यानी 1.04% गिरकर 24,712 पर कारोबार करता रहा।

इससे पहले 10 सितंबर को अमेरिकी बाजार भी गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स 317 अंक यानी 0.60% गिरकर 52,064 पर रहा। नैस्डैक में 172 अंक यानी 0.65% की गिरावट आई और यह 26,082 पर बंद हुआ। **S&P** 500 भी 45 अंक यानी 0.58% नीचे 7,592 पर रहा। इन कमजोर वैश्विक संकेतों का असर भारतीय बाजार पर पड़ा है।

घरेलू संस्थागत निवेशकों यानी **DII** ने बाजार में खरीदारी जारी रखी है। ताजा आंकड़ों में **DII** ने 1,026 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। बीते सात दिनों में उनकी खरीदारी 4,451 करोड़ और 30 दिनों में 68,944 करोड़ रुपए रही। वहीं **FII/FPI** ने ताजा आंकड़ों में 438 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। बीते 30 दिनों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली 10,141 करोड़ रुपए रही।

सोने की कीमतों में आई गिरावट, चांदी 10,000 रुपये हुई सस्ती, जानिए आपके शहर में क्या रह गए भाव

सोने की कीमतों में आज शुक्रवार को गिरावट देखने को मिल रही है। घरेलू हाजिर बाजार में भाव लाल निशान पर ट्रेड करते दिखे। गुड रिटर्न्स के अनुसार, दोपहर 12 बजे दिल्ली में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 2620 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,040 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। 22 कैरेट गोल्ड का रेट इस समय 2400 रुपये की गिरावट के साथ 1,40,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, 18 कैरेट गोल्ड का रेट इस समय 1150 रुपये गिरकर 1,14,820 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी में बड़ी गिरावट

सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। गुड रिटर्न्स के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार दोपहर चांदी का भाव 10,000 रुपये की गिरावट के साथ 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

क्या है कीमतों में गिरावट की वजह?

केडिया एडवाइजरी के फाउंडर अमित केडिया के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजह यूएस फेड रेट हाइक की उम्मीदों में आया उछाल है। वहीं, ट्रेडर्स आज जारी होने वाले अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों पर भी नजर बनाए हुए हैं। गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, फाइनल डिमांड के लिए यूएस प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स अगस्त में 0.4 फीसदी बढ़ी है। इसके बाद ट्रेडर्स ने अगले हफ्ते होने वाली फेड की बैठक में रेट हाइक को लेकर अपनी उम्मीदें बढ़ा दी हैं। वहीं, महंगा क्रूड ऑयल भी सोने पर दबाव बना रहा है। शुक्रवार को क्रूड ऑयल 108 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया। इससे महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ऐसे में फेड के सामने ब्याज दर बढ़ाकर मंहगाई को कंट्रोल करना जरूरी हो जाएगा।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

भारत 10वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में: बांग्लादेश को 40 रन से हराया; शेफाली ने 64 रन बनाए, दीप्ति के 3 विकेट

दुबई। भारत 10वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 40 रन से हराया। भारत 4 बार वनडे और अब छठी बार टी-20 फॉर्मेट के फाइनल में पहुंचा है। वनडे के चारों फाइनल भारत ने जीते हैं। टी-20 में टीम 2012, 2016 और 2022 में चैंपियन बनी, जबकि 2018 और 2024 में रनर-अप रही थी।

दुबई में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 40 गेंद पर 64 रन की पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के लगाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 24 रन बनाकर नाबाद रहीं।

ऋचा घोष ने 21 रन बनाए।

150 रन के जवाब में बांग्लादेश की टीम 7 विकेट पर 109 रन ही बना सकी। दीप्ति शर्मा ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। नंदनी शर्मा को आखिरी ओवर में 2 विकेट मिले।

13 सितंबर को फाइनल

फाइनल 13 सितंबर को रात 8 बजे से दुबई में खेला जाएगा। भारत का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में 11 सितंबर को श्रीलंका और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा।

बांग्लादेश: दिलारा अख्तर, जुएरिया फेरदौस, शोभना मोस्तारी, निगार सुल्ताना (कप्तान और विकेटकीपर), शर्मीन अख्तर, शोर्ना अख्तर, फहीमा खातून, नाहिदा अख्तर, राबेया खान, सुल्ताना खातून, मारुफा अख्तर।

भारत-अफगानिस्तान पहला टी-20 13 सितंबर को ही होगा

दिल्ली। दिल्ली में 13 सितंबर को होने वाला भारत-अफगानिस्तान पहला टी-20 13 सितंबर को ही खेला जाएगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने **BRICS** समिट के दौरान सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था का हवाला देते हुए मैच को आगे बढ़ाने की अपील की थी।

BRICS समिट 12-13 सितंबर को भारत मंडपम में होनी है और मैच 13 सितंबर को अरुण जेटली स्टेडियम में होना है। दोनों जगहों के बीच 5 किमी. की दूरी है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट संघ को मैच टालने के लिए पत्र लिखा था।

DDCA ने गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस से बैठक के बाद कहा कि मुकाबला तय तारीख पर ही होगा। जरूरी इंतजाम हो जाएंगे।

DDCA ने बैठक के बाद ङ्क पर लिखा कि उसे जरूरी सहयोग और व्यवस्थाओं का भरोसा दिया गया है। इसलिए 13 सितंबर को अरुण जेटली स्टेडियम में पहला टी-20 तय कार्यक्रम के मुताबिक ही होगा।

दिल्ली पुलिस ने क्यों जताई थी चिंता

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 9 सितंबर को **DDCA** को पत्र भेजकर 13 सितंबर का मैच किसी दूसरी तारीख पर कराने पर विचार करने को कहा था। पुलिस के मुताबिक **BRICS** समिट के लिए दिल्ली में बड़ी संख्या में विदेशी प्रतिनिधि, राजनयिक और **VVIP** पहुंचेंगे।

समिट के दौरान **VIP** रूट रेगुलेशन, ट्रैफिक डायवर्जन, रूट क्लियरेंस और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जरूरत होगी। इसके साथ ही मैच में करीब 25 से 35 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की बात कही गई थी।

तीसरा टेस्ट- पाकिस्तान पर पारी से हार का खतरा: 52 रन पर 2 विकेट गंवाए

एजबेस्टन। एजबेस्टन में खेले जा रहे टेस्ट मैच में पाकिस्तान पर पारी से हार का खतरा मंडरा रहा है।इंग्लैंड से पहली पारी में 320 रन से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने दूसरी पारी में 52 रन पर 2 विकेट गंवा दिए है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक शान मसूद 21 और अजान अवैस 29 रन पर खेल रहे हैं।

इससे पहले इंग्लैंड पहली पारी में 453 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम के कप्तान हैरी ने सबसे ज्यादा 75 रन की पारी खेली। उनके अलावा 4 खिलाड़ियों ने फिफ्टी लगाई। टीम ने पाकिस्तान को पहली पारी में 133 रन पर समेटा था।

पाकिस्तान ने पहले ही ओवर में 2 विकेट गंवा दिए

दूसरी पारी में भी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने शून्य के स्कोर पर पहले ही ओवर में 2 विकेट गंवा दिए। ओली रॉबिन्सन ने पहली ही गेंद पर सईम अयूब को हैरी ब्रूक के हाथों कैच आउट कराया।

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 39 रन के स्कोर पर बेन डकेट (11), जॉर्डन कॉक्स (4) और जो रुट (8) का विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद हैरी ब्रूक ने एमिलियो गे (60) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 104 रन जोड़े। यह मैच की एकमात्र शतकीय साझेदारी रही।

जेमी स्मिथ (69) और डैन लॉरेंस (65) ने अर्धशतक लगाकर टीम को 350 रन के पार पहुंचाया। इसके बाद ओली रॉबिन्सन (50) ने लोअर ऑर्डर के साथ साझेदारी करते हुए स्कोर 450 रन के पार पहुंचा दिया। जोफ्रा आर्चर भी आखिरी में 27 गेंद पर 32 रन बनाकर नाबाद रहे।

ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन: साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, कप्तान ईशान किशन का दोहरा शतक

ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन को विजेता घोषित किया गया।

ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 708 रन बनाए थे। कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाया। जवाब में साउथ जोन की टीम 336 रन पर ऑलआउट हो गई। ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रन की बढ़त मिली।

इसके बाद ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में 7 विकेट पर 388 रन बनाए और कुल बढ़त 760 रन तक पहुंचाई। दूसरी पारी में भी कप्तान ईशान किशन ने 80 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ईस्ट जोन ने इससे पहले 2011-12 और 2012-13 में दलीप ट्रॉफी जीती थी। 2011-12 में टीम ने फाइनल में सेंट्रल जोन को पारी और 20 रन से हराया था। वहीं, 2012-13 का फाइनल ड्रॉ रहा था और पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन चैंपियन बना था। अब टीम ने 14 साल बाद तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की।

ईस्ट जोन की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही

ईस्ट जोन की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही। टीम ने 13 रन के स्कोर तक अभिमन्यु ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी के विकेट गंवा दिए। इसके बाद शिखर मोहन ने 52 और ईशान किशन ने 80 रन बनाकर पारी को संभाला। कुमार कुशाग्र ने 46 रन बनाए। अनुकूल राय ने 64 रन की पारी खेली, जबकि एमडी कौनैन कुरैशी 116 रन बनाकर नाबाद रहे।

ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का बड़ा स्कोर बनाया। कप्तान ईशान किशन ने 270 रन की पारी खेली। कुमार कुशाग्र ने 101, शिखर मोहन ने 85 और अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन का योगदान दिया।

साउथ जोन 336 रन पर सिमटी

708 रन के जवाब में साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से कप्तान तिलक वर्मा ने 99 और देवदत्त पडिक्कल ने 62 रन बनाए। चामा मिलिंद ने 43 और नारायण जगदीशन ने 32 रन का योगदान दिया। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार ने 3 और मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए।

दलीप ट्रॉफी 2026 में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 3 मैचों में 409 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। साउथ जोन के तिलक वर्मा 266 रन के साथ दूसरे और ईस्ट जोन के कुमार कुशाग्र 224 रन के साथ तीसरे नंबर पर रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की

राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सपरिवार देखी फिल्म 'हनुमान अंश'

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित जोरा मॉल के सिनेमाघर में सपरिवार फिल्म 'हनुमान अंश' देखी। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी सपरिवार उपस्थित रहे। मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा विभिन्न निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षों ने भी फिल्म देखी।

फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री साय ने 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा से समाज को परिचित कराने वाली ऐसी प्रेरणादायी फिल्में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचनी चाहिए। फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने से प्रदेश के अधिकाधिक दर्शकों, विशेषकर युवाओं को भारत की समृद्ध संत परंपरा और उसके जीवन मूल्यों को जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सत्य, सेवा, करुणा, प्रेम और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया है। संतों ने अपने जीवन और आचरण के माध्यम से समाज को मानवता और लोककल्याण का संदेश दिया है। नीम करौली बाबा का जीवन भी इसी महान परंपरा का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनका जीवन हमें यह सीख देता है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीम करौली बाबा ने अत्यंत सरल शब्दों और सहज जीवन के माध्यम से प्रेम, सेवा और भक्ति का संदेश दिया। उनके विचारों में मानवता और सभी के प्रति समान भाव सर्वोपरि रहा। उनका यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है और समाज को सकारात्मक दिशा देने की सामर्थ्य रखता है।

मुख्यमंत्री साय ने फिल्म के निर्माताओं, निर्देशक, कलाकारों एवं पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज तक विचार, संस्कार और प्रेरणा पहुंचाने का भी प्रभावी माध्यम है। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा पर आधारित सकारात्मक फिल्में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति उसकी हजारों वर्षों पुरानी परंपराओं और जीवन मूल्यों में निहित है। सेवा, करुणा, सद्भाव और मानव कल्याण जैसे मूल्यों को आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 'हनुमान अंश' जैसी फिल्में इन मूल्यों को सरल और प्रभावी रूप में समाज तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास हैं।

उल्लेखनीय है कि फिल्म 'हनुमान अंश' नीम करौली बाबा के जीवन, आध्यात्मिक यात्रा और उनके सेवा एवं भक्ति के संदेश पर आधारित है।

इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, विभिन्न निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर छत्तीसगढ़ में शुरू हुआ 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बच्चों, माताओं एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026 पूरे प्रदेश में शुरू हो गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित इस राज्यव्यापी अभियान की इस वर्ष की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' है। अभियान के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार बच्चों और माताओं के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राष्ट्रीय पोषण माह केवल जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि पोषण को जनआंदोलन बनाने का अवसर है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम में ली गौ सेवकों एवं अधिकारियों की बैठक

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गौ सेवकों एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सड़क पर विचरण करने वाले पशुओं, बीमार एवं घायल पशुओं के रेस्क्यु, उपचार तथा उनके लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गौ सेवकों से उनके कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली और पशुओं के बेहतर संरक्षण एवं उपचार के लिए आवश्यक सुझाव भी लिए। बैठक में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्षईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, गौ सेवक नीलेश सोनी,संस्कार दुबे,तरूण साहू, अंकुश विश्वकर्मा, अनमोल ठाकुर, वैदिक मिश्रा, नीरज ठाकुर,अमित चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि, गौ सेवक उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि गौ सेवक दिन-रात बीमार और घायल पशुओं की सेवा में जुटे रहते हैं। वे पूरी मेहनत, लगन और सेवाभाव के साथ सड़क पर घायल अवस्था में मिले पशुओं का रेस्क्यु कर उन्हें उपचार के लिए पशु चिकित्सालय तक पहुंचाते हैं। गौ सेवकों द्वारा किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पशुओं की सेवा और संरक्षण के लिए उनके प्रयास महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौ सेवक जब भी किसी सेवा कार्य अथवा घायल पशु के रेस्क्यु के संबंधितकार्य हेतु संपर्क व्यवस्था को दुरुस्त किया जाय। उनकी समस्या के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाए।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों, सहायक चिकित्सकों एवं अन्य उपलब्ध मानव संसाधन तथा विभागीय सेटअप की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों की पदस्थापना स्थल, किन-किन क्षेत्रों में कौन से चिकित्सक कार्यरत हैं तथा किन स्थानों पर चिकित्सकीय सेवाओं की आवश्यकता है, इसकी भी जानकारी ली। उन्होंने सभी चिकित्सकों की बैठक आयोजित कर जिले में पशुओं के उपचार एवं रेस्क्यु व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

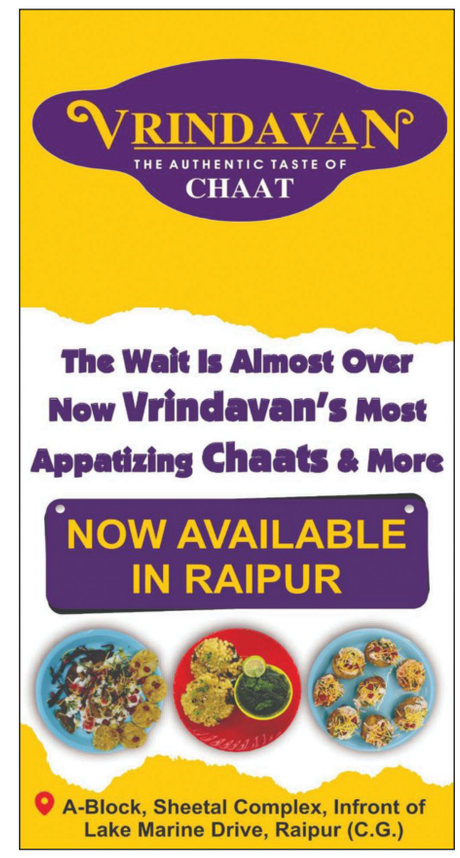

विकास कार्यों में तेजी और गुणवत्ता पर विशेष जोर, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दिए कड़े निर्देश

रायपुर। सड़कों व पुलों के निर्माण, जल जीवन मिशन, खेल गतिविधियों और नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की, निर्माणाधीन कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने कहा

सड़कों व पुलों के निर्माण, जल जीवन मिशन, खेल गतिविधियों और नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की, निर्माणाधीन कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने कहा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज बीजापुर में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन विभागों के स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने बीजापुर जिले में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वीकृत एवं निर्माणाधीन सड़कों, पुलों, शासकीय भवनों तथा अधोसंरचना विकास के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब पर रोक लगाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने अप्रारंभ कार्यों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684